हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार 10 मई 2026

तापमान

अधिकतम 37 .4 डिग्री
न्यूनतम 22 .0 डिग्री

11 मां अपने बच्चों के लिए शिक्षक और डॉक्टर दोनों होती: नवीन सैनी

12 माजरा एम्स निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश, आगामी सत्र से एमबीबीएस की कक्षाएं होंगी शुरू

नगर परिषद के 99 बूथों पर 500 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई

प्रत्याशियों के प्रचार के बाद अब मतदाताओं की बारी निकाय चुनाव कराने के लिए बूथों पर पहुंची पोलिंग पार्टियां

रेवाड़ी। गर्ल्स कॉलेज में पोलिंग पार्टियों को दिशा-निर्देश देते अधिकारी।

रेवाड़ी। गर्ल्स कॉलेज में मौजूद पोलिंग पार्टियां। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। गर्ल्स कॉलेज में चुनाव सामग्री लेते हुए पोलिंग पार्टियां। फोटो : हरिभूमि

100 कर्मचारी रिजर्व, रेवाड़ी में 1.15 लाख व धारूहेड़ा में 24557 मतदाता करेंगे मतदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले में नगर परिषद रेवाड़ी और नगर पालिका धारूहेड़ा के 10 मई को चुनाव कराने के लिए शनिवार को पोलिंग पार्टिया चुनाव सामग्री लेकर अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंच गई। नगर परिषद रेवाड़ी के चुनाव के लिए सेक्टर-18 स्थित गर्ल्स कॉलेज तथा नगर पालिका चुनाव के लिए राजकीय कॉलेज खरखड़ा में पोलिंग पार्टियों को चुनाव सामग्री वितरित की गई। धारूहेड़ा और रेवाड़ी शहर 126 मतदान केंद्रों पर 139760 मतदाता अपने मत का प्रयोग कर सकेंगे। मतदान कराने के लिए करीब 1100 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है, जिसमें होमगार्ड कर्मी भी तैनात रहेंगे। 20 लोकेशन पर स्थित 47 वल्नरेबल-क्रिटिकल बूथों पर नॉर्म्स के अनुसार पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। नगर परिषद चुनाव के लिए 109 पेट्रोलिंग पार्टी भी नियुक्त की गई है, जबकि नगर पालिका के लिए 27 पोलिंग पार्टियां चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न कराएंगी, जिनमें रेवाड़ी 10 पोलिंग पार्टियों को रिजर्व रखा गया है। मतदान का समय सुबह 8 से शाम 6 बजे तक रहेगा। नगर परिषद के चुनाव कराने के लिए 500 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है तथा 100 कर्मचारियों को रिजर्व में रखा गया है। चुनाव सामग्री देने से पहले नगर परिषद रेवाड़ी के आरओ एडीसी राहुल मोदी व धारूहेड़ा नगर पालिका के आरओ एसडीएम सुरेश कुमार ने पोलिंग पार्टियों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस मौके पर डीआरओ प्रदीप देशवाल, एक्सईएन अंकित वशिष्ठ व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

चुनाव में 1100 जवान संभालेंगे मोर्चा

शहरी निकाय आम चुनाव और पंचायतीराज संस्थाओं के उप चुनावों को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए 1100 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। उनके साथ होमगार्ड के जवानों की भी तैनाती रहेगी। नगर परिषद रेवाड़ी में 35 लोकेशन पर स्थित 99 बूथ, नगर पालिका धारूहेड़ा में 14 लोकेशन पर स्थित 27 बूथ व पंचायतराज उपचुनावों के 4 लोकेशन पर स्थित 7 बूथों पर मतदाता अपने मतदान का प्रयोग करेंगे। नगर परिषद व नगर पालिका धारूहेड़ा की 20 लोकेशन पर 47 वल्नरेबल-क्रिटिकल बूथों पर नॉर्म्स के अनुसार पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। इसके अलावा पुलिस की एक कंपनी भी अलग से तैनात रहेगी। जिले में 27 पेट्रोलिंग पार्टियां भी नियुक्त की गई है। प्रत्येक क्षेत्र के ओवरऑल इंचार्ज डीएसपी होंगे।

जिले में 126 पोलिंग बूथों पर होंगे चुनाव

चुनाव विभाग की ओर से शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। धारूहेड़ा और रेवाड़ी शहर 126 मतदान केंद्रों पर मतदाता अपने मत का प्रयोग कर सकेंगे। झगड़े की आशंका वाले बूथ भी चिन्हित किए जा चुके हैं। शहर में 99 में से 32 और धारूहेड़ा कस्बे में 27 में 11 बूथों को संवेदनशील घोषित किया गया है। इन बूथों पर दूसरे बूथों की तुलना में सुरक्षा व्यवस्था अधिक चाक-चौबंद रहेगी। चेयरमैन और वार्डों के चुनाव के लिए बूथों पर दो-दो ईवीएम रखी जाएंगी। नगर परिषद के 32 वार्डों के करीब 115203 लाख मतदाताओं के लिए 99 बूथ बनाए गए हैं। नगर परिषद के मतदाताओं में 59167 पुरुष, 56032 महिलाएं व 4 थर्ड जेंडर शामिल है। वही धारूहेड़ा में 18 वार्डों के लगभग 24557 मतदाताओं के लिए 27 बूथ बनाए गए हैं। धारूहेड़ा और रेवाड़ी दोनों निकाय में चेयरमैन पद के लिए 6-6 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। नगर परिषद रेवाड़ी में 155 प्रत्याशी और नगर पालिका धारूहेड़ा के चुनाव में 62 प्रत्याशी मैदान में है।

यहां होंगे पंचायती राज संस्थाओं के उप चुनाव

जिले में बावल खंड के वार्ड नंबर 5 में पंचायत समिति सदस्य और डहीना खंड के गांव फतेहपुरी टप्पा डहीना में सरपंच पद के लिए उपचुनाव होंगे। इसके अलावा जिला में नाहड़ खंड के गांव नेहरूगढ में वार्ड 10 और गांव भाकली-2 में वार्ड 13, गांव कुहारड़ में वार्ड 1 में पंच पद के लिए उपचुनाव कराए जाएंगे। इसी तरह बावल खंड के गांव रघुनाथपुरा में वार्ड 6, गांव नैचाना में वार्ड 9, गांव सुलखा में वार्ड 5, खंड डहीना के गांव ढाणी जरावत में वार्ड 6, गांव डहीना के वार्ड वार्ड 5, गांव कहाड़ी में वार्ड 1, खंड धारूहेड़ा के गांव डवाना में वार्ड 3, खंड जाटूसाना के गांव बेरली खुर्द में वार्ड 1 और 10, गांव बेरली कलां में वार्ड 5, गांव नांगलिया रणमोख में वार्ड 6, गांव मालियाकी में वार्ड 3, खंड रेवाड़ी के गांव नया गांव में वार्ड 4 और 6, गांव हांसाका में वार्ड 5, गांव ढालियावास में वार्ड 8 तथा खंड खोल के गांव हजीपुर में वार्ड 3 में पंच पद के लिए उप चुनाव होंगे।

अवैध शराब तस्करी के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

■ छापेमारी कर आरोपियों के कब्जे से 109 बोतल अंग्रेजी शराब व 35 .25 बोतल देशी शराब बरामद की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

जिला पुलिस की ओर से चुनाव के दौरान असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अवैध रूप से शराब बेचने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस टीमों ने विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर आरोपियों के कब्जे से 109 बोतल अंग्रेजी शराब व 35.25 बोतल देशी शराब बरामद की है।

सीआईए रेवाड़ी ने थाना मॉडल टाउन क्षेत्र से बिहार के जिला बेगुसराय के गांव मेघावल हाल किरायेदार गांव ढालियावास निवासी आरोपी सुबोध को 17.5 बोतल देशी शराब सहित काबू किया है। भाड़ावास गेट चौकी पुलिस टीम ने मोहल्ला बल्लूवाडा निवासी आरोपी बबलू को 12.5 बोतल अंग्रेजी शराब व 17.75 बोतल देशी शराब सहित पकड़ा है। वही तीसरे मामले में शहर थाना पुलिस टीम ने मोहल्ला अर्जुन नगर निवासी आरोपी अशोक कुमार व मोहल्ला साधुशाह नगर निवासी आरोपी कमलकांत उर्फ खोटा को 96.5 बोतल अंग्रेजी शराब सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

धारूहेड़ा-जीतपुरा रोड पर कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

रेवाड़ी। सड़क दुर्घटना में बाइक सवार व्यक्ति की मौत जो गई। धारूहेड़ा-जीतपुरा रोड पर एक कार ने गांव असदपुर निवासी बाइक सवार 59 वर्षीय रामानंद को टक्कर मार दी। एक्सीडेंट के बाद चालक कार सहित मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल रामनंद को अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना के बाद धारूहेड़ा थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंपकर दिया है। पुलिस ने गांव के रविंद्र कुमार की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। रविंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह प्राइवेट नौकरी करता है। 7 मई की सुबह करीब 9 बजे वह जौनावास से स्कूटी पर धारूहेड़ा जा रहा था तथा रामानंद अपने बेटे को छोड़कर दोस्त के पास उनके होटल पर जा रहा था। जब वह जीतपुरा रोड से पहुंचा तो पेट्रोल पंप के पास कार ने बाइक को टक्कर मार दी। रविन्द्र ने गाड़ी चालक को पकड़ने का प्रयास किया, परंतु सफलता नहीं मिली। उन्होंने गंभीर हालत में रामानंद को आसपास के लोगों के सहयोग से सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। जांच अधिकारी सत्येंद्र ने बताया कि केस दर्ज कर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

अवैध देशी कट्टा व दो जिंदा रोंद के साथ आरोपी काबू

रेवाड़ी। सीआईए रेवाड़ी ने अवैध हथियार रखने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मोहल्ला माता चौक निवासी नितिन के रूप में हुई है। गत 8 मई को सीआईए की टीम को सूचना मिली कि मोहल्ला माता चौक निवासी नितिन के पास अवैध हथियार है और वह अपने घर पर मौजूद है। सूचना पर पुलिस टीम ने छापेमारी कर आरोपी को काबू कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि उसके पास अवैध हथियार है, जिसे उसने शहर के बाहर एक सुनसान जगह पर छिपाया हुआ है। बरामदगी के लिए जब पुलिस टीम उसे लेकर गई, तो आरोपी ने काफी देर तक पुलिस को इधर-उधर घुमाकर गुमराह करने का प्रयास किया। दबिश के बाद आरोपी ने सच उगल दिया, जिसके बाद पुलिस ने सनसिटी के पास स्थित ग्रीन बेल्ट में एक पेड़ के नीचे मिट्टी में दबा हुआ एक देशी कट्टा और दो जिंदा रोंद बरामद किए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

नशा तस्करों पर पुलिस का प्रहार, गांजा व हेरोइन सहित तीन आरोपी दबोचे

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी धीरज उर्फ नाईका। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी पारस। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी कार्तिक। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। जिला पुलिस ने तीन अलग-अलग मामलों में तीन नशा तस्करों को दबोचने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 192 ग्राम गांजा व 4.10 ग्राम हेरोइन बरामद की है। मॉडल टाएन थाना पुलिस टीम ने गत 8 मई को सूचना के आधार पर सेक्टर-18 रोड नजदीक ढालियावास गांव के पास से नशीला पदार्थ गांजा बेचते हुए पारस निवासी गांव माजरा गुरदास को काबू किया है। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 85 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

दूसरे मामले में सदर थाना पुलिस टीम ने गांव फिदेड़ी स्टेडियम के पास से नशा तस्कर कार्तिक निवासी गांव फिदेड़ी को काबू किया। कार्तिक के पास से पुलिस को 4.10 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। वही सीआईए रेवाड़ी टीम ने सनसिटी बीपीएल फ्लैटों के पास से नशा तस्कर धीरज उर्फ नाईका निवासी गांव बोहतवास अहीर को काबू किया। धीरज उर्फ नाईका के पास से पुलिस को 107 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि जिला पुलिस नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा के युवा पीढ़ी को नशे के दलदल से बचाना हमारी प्राथमिकता है। नशा बेचने वाले किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे सप्लायरों के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त किया जाएगा। जिले में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि, नशा तस्करी या असामाजिक तत्वों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कल से मौसम में एक बार फिर बदलाव की संभावना, मई के दूसरे पखवाड़े में बढ़ेगा गर्मी का प्रकोप

लगातार बढ़ रहा दिन का तापमान, गर्मी छुड़ाने लगी पसीना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अप्रैल माह के अंत तक गर्मी के लोगों को जमकर परेशान किया। मई माह के शुरू में ही बार-बार आंधी और बारिश ने लू के थपेड़ों से राहत दिला दी थी। मौसम में बार-बार बदलाव आ रहा है। अब तापमान में तीन दिन से लगातार मामूली वृद्धि हो रही है। गर्मी ने पसीना निकालना शुरू कर दिया है। कल से मौसम में एक बार फिर बदलाव की संभावना है। मई माह के दूसरे पखवाड़े में मौसम में बदलाव के बीच तापमान में तेजी से वृद्धि होने की संभावना है, जिससे लू का प्रकोप एक बार फिर से परेशान करेगा। कमजोर पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते मौसम का मिजाज बार-बार बदल रहा है। कभी आसमान में बादल छाने के बाद मौसम ठंडा पड़ जाता है, तो बादल साफ होने के बाद गर्मी जमकर परेशान करती है। शनिवार को सुबह से ही आसमान साफ बना रहा। अधिकतम तापमान 0.4 डिग्री की मामूली वृद्धि के साथ 37.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 0.5 डिग्री बढ़कर 22.0 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इससे दिन के साथ-साथ रात के समय भी गर्मी का असर बढ़ना शुरू हो गया है। हवाओं की रफ्तार लगभग 10 किलोमीटर प्रति घंटा रही, जबकि हवा में नमी का स्तर 32 प्रतिशत तक रहा। नमी बढ़ने से उमस भरी गर्मी परेशान कर रही है। बीते माह के अंत में लोगों को लू के प्रकोप का सामना भी करना पड़ा था। अधिकतम तापमान 44.6 डिग्री तक पहुंच गया था। जनजीवन पर इससे प्रतिकूल असर पड़ना शुरू हो गया था। अब मौसम में बदलाव के बाद लू का प्रकोप गायब हो चुका है, जिससे दिन के समय भी लोगों को घरों से बाहर निकलने में दिक्कत नहीं आ रही है। शनिवार को दिन भर आसमान साफ बना रहा, परंतु शाम के समय एक बार फिर आंशिक बादल छा गए।

रेवाड़ी। शनिवार शाम को छाए बरसात के बादल। फोटो : हरिभूमि

आंधी और बारिश से अभी राहत नहीं

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ बार-बार सक्रिय होकर मौसम में बदलाव ला रहे हैं। अगले सप्ताह के शुरू में ही मौसम में एक बार फिर से बदलाव देखने को मिल सकता है। आंधी के साथ बूंदाबांदी या हल्की बारिश हो सकती है। अगले सप्ताह मौसम में बार-बार बदलाव देखने को मिलेगा, लेकिन तापमान में ज्यादा गिरावट आने की संभावना नहीं है। मई के दूसरे पखवाड़े में उमस भरी गर्मी जमकर परेशान कर सकती है। तापमान बढ़ने के साथ ही बिजली की खपत भी बढ़कर लगभग 80 लाख यूनिट तक पहुंच गई है। अभी आपूर्ति सामान्य रहने के कारण पावर कटों से राहत मिली हुई है।

ऑटो में ब्यूटीशियन का बैग काटा 50 हजार कैश और सामान चोरी

■ ऑटो से उतरने के बाद किराया देते समय महिला को वारदात का पता चला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

कोनसीवास रोड पर ऑटो में अज्ञात व्यक्ति ने ब्यूटीशियन का बैग काटकर 50 हजार कैश व अन्य सामान चोरी कर लिया। ऑटो से उतरने के बाद किराया देते समय महिला को वारदात का पता चला। महिला को ऑटो में सवार दो महिलाओं पर शक है। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव कोनसीवास निवासी सुनीता ने बताया कि वह ब्यूटी पार्लर चलाती है। उसके पति दयानंद असम राइफल में है और वह अपने बच्चों के साथ शहर में रहती है। गत 7 मई को वह पैसे निकलवाने रेलवे रोड स्थित एसबीआई बैंक गई थी तथा 50 हजार रुपये निकालकर ऑटो से लियो चौक उतर गई। उस समय उसके बैग में कैश व अन्य सामान था। इसके बाद वह लियो चौक से कोनसीवास के लिए ऑटो में सवार हो गई। ऑटो में उसके साथ दो महिलाएं भी बैठक गई। उनमें से एक महिला पोसवाल चौक और दूसरी प्रकाश वाटिका के पास उतर गई। उसने ऑटो से उतरने के बाद जब किराया देने के लिए बैग में हाथ डाला तो कैश व सामान गायब था। जांच करने पर बैग नीचे से कटा हुआ मिला। इसके बाद उसने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आईटीआर रिटर्न भरते समय बरतें सावधानी, छोटी गलती भी भारी

बिजनेस डेस्क

आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल करना आज के डिजिटल दौर में पहले की तुलना में काफी आसान हो गया है, लेकिन इसमें लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। हर साल बड़ी संख्या में लोग खुद ही ऑनलाइन आईटीआर भरते हैं, फिर भी छोटी-छोटी गलतियों के कारण उनका रिटर्न अटक जाता है या उन्हें इनकम टैक्स विभाग से नोटिस मिल जाता है। कई बार लोग गलत फॉर्म चुन लेते हैं, तो कभी अपनी आय की पूरी जानकारी नहीं देते। वहीं, कुछ करदाता रिटर्न भरने के बाद उसका ई-वेरिफिकेशन करना ही भूल जाते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया अधूरी रह जाती है। इसके अलावा पर्सनल डिटेल्स में त्रुटि, टैक्स रिजीम का गलत चयन या फॉर्म 26एएस और एआईएस से मिलान न करना भी भारी पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि आईटीआर फाइल करते समय हर स्टेप को समझदारी और सावधानी के साथ पूरा किया जाए, ताकि किसी भी तरह की परेशानी से बचा जा सके।

सही फॉर्म का चयन पहली शर्त

■ आईटीआर फाइलिंग की प्रक्रिया में सबसे अहम कदम है सही फॉर्म का चुनाव।
■ आईटीआर-1 उन व्यक्तियों के लिए है जिनकी आय सैलरी, एक मकान और अन्य स्रोतों से होती है।
■ आईटीआर-2 उन लोगों के लिए है जिनकी बिजनेस इनकम नहीं है, लेकिन अन्य स्रोतों से आय है।
■ आईटीआर-3 बिजनेस या प्रोफेशन से जुड़े लोगों के लिए होता है।
■ आईटीआर-4 अनुमानित आय वालों के लिए है।
■ गलत फॉर्म चुनने से आपका रिटर्न रिजेक्ट हो सकता है या प्रोसेस में देरी हो सकती है।

ई-वेरिफिकेशन भूलना पड़ सकता है भारी

आईटीआर फाइल करने के बाद सबसे बड़ी गलती जो लोग करते हैं, वह है उसे वेरिफाई न करना। अगर आपने 30 दिनों के भीतर अपने रिटर्न को ई-वेरिफाई नहीं किया, तो इसे मान्य नहीं माना जाएगा। आप नेट बैंकिंग, आधार ओटीपी या ईवीसी के जरिए आसानी से वेरिफिकेशन कर सकते हैं।

पर्सनल डिटेल्स में गलती रोक सकती है रिफंड

■ नाम, पता, पैन, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि या असेसमेंट ईयर जैसी जानकारी में छोटी सी गलती भी आपके रिफंड को रोक सकती है।
■ इसलिए फॉर्म भरते समय हर जानकारी को दोबारा जांचना बेहद जरूरी है।
■ साथ ही टैक्स रिजीम (पुरानी या नई) का गलत चयन भी आपकी टैक्स देनदारी को प्रभावित कर सकता है।
■ पूरी आय का खुलासा करना जरूरी
■ -कई करदाता सिर्फ सैलरी इनकम ही दिखाते हैं और अन्य स्रोतों को नजरअंदाज कर देते हैं।

आईटीआर में हर तरह की आय दिखाएं

■ बैंक ब्याज ■ किराया ■ कैपिटल गेन■ अन्य आय
■ यहां तक कि टैक्स फ्री आय को भी दिखाना चाहिए, ताकि आप सही तरीके से छूट का दावा कर सकें।

26एएस और एआईएस से जरूर करें मिलान

■ आईटीआर भरते समय फॉर्म 26एएस और एनुएल इंफोर्मेशन स्टेटमेंट (एआईएस) का मिलान जरूरी है।
■ इनमें आपके टीडीएस, टीसीएस और एडवांस टैक्स की पूरी जानकारी होती है।
■ अगर जानकारी और इन रिकॉर्ड्स में अंतर पाया गया, तो रिफंड अटक सकता है या नोटिस मिल सकता है
■ अगर आपने एक वित्त वर्ष में एक से अधिक कंपनियों में काम किया है, तो हर कंपनी से फॉर्म 16 लेना जरूरी है। ऐसा न करने पर आपकी कुल आय गलत दिख सकती है और टैक्स कैलकुलेशन भी प्रभावित हो सकता है।

एडवांस टैक्स समय पर भरें

■ एडवांस टैक्स न भरना या देर से भरना भी एक आम गलती है। ■ इसे चार किस्तों में भरना होता है।
■ 15 जून■ 15 सितंबर■ 15 दिसंबर■ 15 मार्च
■ समय पर भुगतान नहीं तो 1% तक की पेनल्टी।

सावधानी ही बचाव

आईटीआर फाइलिंग एक जरूरी वित्तीय जिम्मेदारी है, जिसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। छोटी-छोटी गलतियां न सिर्फ आपके रिफंड को रोक सकती हैं, बल्कि आपको टैक्स नोटिस का सामना भी करना पड़ सकता है। इसलिए सही फॉर्म का चयन, सभी आय का खुलासा, दस्तावेजों का मिलान और समय पर वेरिफिकेशन ये सभी कदम बेहद महत्वपूर्ण हैं। अगर आप थोड़ी सावधानी और समझदारी से आईटीआर फाइल करते हैं, तो न सिर्फ प्रक्रिया आसान हो जाएगी, बल्कि आप किसी भी तरह की परेशानी से भी बच सकेंगे।

बाजार गिरे या चढ़े, बढ़ेगा पैसा ऐसे बनाएं निवेश का मास्टर प्लान

एक्सपर्ट के 5 फॉर्मूले अपनाने से आपका पोर्टफोलियो बनेगा 'मुनाफे की मशीन'

70:30 फॉर्मूला सुरक्षित निवेश और तेज ग्रोथ का संतुलन बनाएगा

मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियां बनती हैं लंबी रेस के घोड़े, विविधीकरण से घटेगा जोखिम

बिजनेस डेस्क

भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है, लेकिन 2026 का बाजार पहले से ज्यादा जटिल और अवसरों से भरा हुआ नजर आ रहा है। ऐसे समय में निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही होता है कैसे निवेश करें, ताकि जोखिम भी कम रहे और रिटर्न भी बेहतर मिले? पर्सनल फाइनेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि सही रणनीति, अनुशासन और धैर्य के साथ कोई भी निवेशक अपने पोर्टफोलियो को "मुनाफे की मशीन" में बदल सकता है। आज के दौर में केवल शेयर खरीदना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह समझना भी जरूरी है कि किस तरह का पोर्टफोलियो हर तरह के बाजार चाहे तेजी हो या गिरावट में संतुलन बनाए रख सके। निवेश का असली खेल 'टाइमिंग' नहीं, बल्कि 'टाइम इन मार्केट' है। यानी जितना ज्यादा समय आप बाजार में टिके रहते हैं, उतना ही ज्यादा कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है। विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 में निवेश के लिए '70:30' का फॉर्मूला सबसे प्रभावी रणनीतियों में से एक माना जा रहा है। इस फॉर्मूले के तहत निवेशक अपने पोर्टफोलियो का 70% हिस्सा मजबूत और स्थापित कंपनियों में लगाते हैं, जिन्हें 'कोर होल्डिंग्स' कहा जाता है। ये कंपनियां मजबूत बैलेंस शीट, बेहतर मैनेजमेंट और स्थिर आय के लिए जानी जाती हैं। बाजार में गिरावट के समय यही कंपनियां आपके निवेश को सुरक्षा देती हैं। वहीं, बाकी 30% हिस्सा 'टैक्टिकल इन्वेस्टमेंट' के लिए रखा जाता है। इसमें उभरते हुए सेक्टर्स, हाई ग्रोथ कंपनियां या शॉर्ट-टर्म ट्रेंड्स को ध्यान में रखकर निवेश किया जाता है। यह हिस्सा आपके पोर्टफोलियो को अतिरिक्त ग्रोथ देने का काम करता है। इस तरह यह फॉर्मूला सुरक्षा और आक्रामक ग्रोथ के बीच संतुलन बनाता है।

गिरावट में घबराएं नहीं, मौके पहचानें, धैर्य बनाए रखें

सही कंपनी का चयन ही असली खेल

शेयर बाजार में सफल निवेश केवल सही समय पर पैसा लगाने से नहीं, बल्कि सही कंपनी चुनने से तय होता है। विशेषज्ञों के अनुसार निवेश करने से पहले कंपनी के बिजनेस मॉडल, वित्तीय स्थिति और उसकी 'इकोनॉमिक मोट' को समझना बेहद जरूरी है। 'इकोनॉमिक मोट' का अर्थ उस विशेष ताकत से है, जो किसी कंपनी को प्रतिस्पर्धियों से अलग और मजबूत बनाती है। यह ताकत मजबूत ब्रांड वैल्यू, उन्नत तकनीक, बड़ा मार्केट शेयर, कम लागत पर उत्पादन या ग्राहकों का भरोसा हो सकती है।यदि किसी कंपनी का कारोबार लगातार बढ़ रहा हो, उसका कर्ज नियंत्रित हो और प्रबंधन पारदर्शी तरीके से काम करता हो, तो बाजार में आने वाली अस्थायी गिरावट का उस पर सीमित असर पड़ता है। ऐसी कंपनियां लंबे समय में निवेशकों को स्थिर और बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखती हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि केवल सोशल मीडिया ट्रेंड, अफवाहों या 'हॉट टिप्स' के आधार पर निवेश करना जोखिम बढ़ा सकता है। निवेशकों को जल्दबाजी से बचते हुए कंपनी के फंडामेंटल्स, भविष्य की संभावनाओं और बिजनेस की गुणवत्ता का गहराई से विश्लेषण करना चाहिए।

विविधीकरण और लंबी अवधि

निवेश की दुनिया में एक पुरानी कहावत है "सारे अंडे एक टोकरी में मत रखो।" यही सिद्धांत शेयर बाजार में भी लागू होता है। विविधीकरण का मतलब है अपनी पूंजी को अलग-अलग सेक्टर्स और कंपनियों में बांटना ताकि किसी एक सेक्टर में गिरावट का असर पूरे पोर्टफोलियो पर न पड़े। उदाहरण के तौर पर, अगर आप केवल आईटी सेक्टर में निवेश करते हैं और उस सेक्टर में गिरावट आती है, तो आपका पूरा निवेश प्रभावित हो सकता है। लेकिन अगर आपने फाइनेंशियल, कंजम्पशन, मैन्युफैक्चरिंग और फार्मा जैसे अलग-अलग सेक्टर्स में निवेश किया है, तो एक सेक्टर की कमजोरी दूसरे सेक्टर की मजबूती से संतुलित हो सकती है। इसके साथ ही, लंबी अवधि का नजरिया बेहद जरूरी है। कई निवेशक छोटी-छोटी गिरावट से घबरा जाते हैं और जल्दबाजी में अपने निवेश को बेच देते हैं। लेकिन इतिहास बताता है कि जो निवेशक लंबे समय तक टिके रहते हैं, वही असली फायदा उठाते हैं। कंपाउंडिंग की ताकत समय के साथ ही काम करती है और धीरे-धीरे आपकी संपत्ति को कई गुना बढ़ा देती है और आपको पता भी नहीं चलता।

भावनाओं पर नियंत्रण सफल निवेशक की असली पहचान

शेयर बाजार में सफलता केवल ज्ञान या जानकारी से नहीं मिलती, बल्कि आपके व्यवहार और मानसिकता पर भी निर्भर करती है। बाजार में गिरावट के समय घबराहट और तेजी के समय लालच ये दोनों भावनाएं निवेशकों को गलत फैसले लेने पर मजबूर करती हैं। एक सफल निवेशक वही होता है जो इन भावनाओं पर नियंत्रण रख सके। जब बाजार गिरता है, तो उसे खतरे के बजाय अवसर के रूप में देखना चाहिए बशर्ते कंपनी के फंडामेंटल्स मजबूत हों। वहीं, तेजी के दौर में बिना सोचे-समझे निवेश करने से बचना चाहिए। एक तरह से निवेश में 'इमोशनल फायरवॉल' बनाना जरूरी है, जो आपको बाजार के शोर से दूर रखे और आपके फैसलों को तार्किक बनाए रखे। अनुशासन और धैर्य ही लंबे समय में बड़ी संपत्ति बनाने का आधार होते हैं।

सादगी, अनुशासन व धैर्य ही असली मंत्र

2026 के बदलते आर्थिक माहौल में निवेश करना चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन असंभव नहीं। अगर आप 70:30 का संतुलित फॉर्मूला अपनाते हैं, मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियों को चुनते हैं, अपने निवेश को विविध बनाते हैं और भावनाओं पर नियंत्रण रखते हैं, तो बाजार की हर स्थिति में अपनी संपत्ति को बढ़ा सकते हैं। याद रखें, शेयर बाजार में कोई शॉर्टकट नहीं होता। यहां सफलता उन्हीं को मिलती है जो धैर्य रखते हैं, अनुशासन का पालन करते हैं और लंबी अवधि के लिए निवेश करते हैं। अगर आप इन सिद्धांतों पर टिके रहते हैं, तो बाजार चाहे गिरे या चढ़े आपकी दौलत लगातार बढ़ती जाएगी।

डिफेंस म्यूचुअल फंड्स में 25% की छलांग मौका या जोखिम? ऐसे में क्या करें निवेशक

- एक माह की रैली ने निवेशकों के लिए बढ़ाया आकर्षण
- लेकिन एक्सपर्ट्स ने दे दी सावधानी बरतने की सलाह
- जियोपॉलिटिकल हालात व बढ़ते रक्षा खर्च ने दी रफ्तार
- चक्रीय प्रकृति वाला डिफेंस सेक्टर, उतार-चढ़ाव को रहें तैयार

पिछले एक महीने में डिफेंस सेक्टर से जुड़े म्यूचुअल फंड्स ने करीब 20% से 25% तक का शानदार रिटर्न दिया है। इतनी तेज बढ़त ने निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है और कई लोग इस सेक्टर में निवेश के अवसर तलाशने लगे हैं। लेकिन बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस तेजी के पीछे मजबूत फंडामेंटल्स से ज्यादा जियोपॉलिटिकल कारण और बाजार का मोमेंटम जिम्मेदार है। ऐसे में बिना सोचे-समझे निवेश करना जोखिम भरा साबित हो सकता है। जानकारों के अनुसार, निवेशकों को सिर्फ हालिया रिटर्न देखकर फैसले नहीं लेने चाहिए। बाजार में छोटी अवधि की तेजी अक्सर बाहरी घटनाओं से प्रभावित होती है, जबकि लंबी अवधि में किसी भी निवेश का प्रदर्शन उसकी कमाई, वैल्यूएशन और बिजनेस ग्रोथ पर निर्भर करता है।

जियोपॉलिटिकल तनाव बना तेजी का बड़ा कारण

डिफेंस सेक्टर में आई हालिया तेजी का मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव और युद्ध जैसी परिस्थितियां हैं। जब दुनिया में अस्थिरता बढ़ती है, तो सरकारें रक्षा खर्च बढ़ाती हैं, जिससे इस सेक्टर की कंपनियों को अधिक ऑर्डर मिलने लगते हैं। इसका सीधा असर इन कंपनियों के शेयरों और उनसे जुड़े म्यूचुअल

फंड्स पर पड़ता है। हालांकि लंबे समय में डिफेंस सेक्टर की संभावनाएं मजबूत हैं जैसे कि भारत में स्वदेशीकरण को बढ़ावा, बढ़ता रक्षा बजट और मजबूत ऑर्डर बुक, लेकिन इस सेक्टर में प्रोजेक्ट्स को पूरा होने में समय लगता है।

'मोमेंटम फेज' में है डिफेंस सेक्टर

फिलहाल डिफेंस सेक्टर एक 'मोमेंटम फेज' से गुजर रहा है। यानी बाजार में तेजी से पैसा आ रहा है और निवेशकों का झुकाव इस सेक्टर की ओर बढ़ गया है। एक ही महीने में 20-25% तक का रिटर्न इस बात का संकेत है कि कीमतें कंपनियों के वास्तविक प्रदर्शन से ज्यादा बाजार की भावना और निवेश के फ्लो से प्रभावित हैं।

एसआईपी बनाम लंपसम : कैसे करें निवेश?

हालिया तेजी के बाद डिफेंस सेक्टर के वैल्यूएशन ऊंचे हो चुके हैं। ऐसे में एकमुश्त (लंपसम) निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। इसके बजाय एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए धीरे-धीरे निवेश करना बेहतर विकल्प है। एसआईपी का फायदा यह है कि निवेशक बाजार के उतार-चढ़ाव को औसत कर सकता है और जोखिम को कम कर सकता है।

डाइवर्सिफिकेशन ही सुरक्षित रास्ता

एक्सपर्ट्स का मानना है कि सीधे डिफेंस सेक्टर में निवेश करने के बजाय डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स में निवेश करना ज्यादा सुरक्षित है। जैसे फ्लेक्सी कैप, मल्टी कैप और लार्ज एंड मिड कैप फंड्स—ये विभिन्न सेक्टर्स में निवेश करते हैं और जोखिम को संतुलित रखते हैं। इन फंड्स में डिफेंस सेक्टर का एक्सपोजर भी होता है, लेकिन यह सीमित होता है, जिससे निवेशक को इस सेक्टर की ग्रोथ का फायदा तो मिलता है, लेकिन जोखिम कम रहता है। डिफेंस म्यूचुअल फंड्स में हालिया तेजी आकर्षक जरूर है, लेकिन यह स्थायी नहीं हो सकती। निवेशकों को केवल शॉर्ट टर्म रिटर्न देखकर निर्णय लेने से बचना चाहिए।

रिस्क है, लेकिन सही प्लान के साथ यही बन सकता है सबसे बड़ा मौका

धैर्य, मेहनत और स्मार्ट प्लानिंग से शुरू करें काम

जॉब छोड़ें व बन जाएं खुद के बॉस, कम निवेश में तगड़ी कमाई के रास्ते बदलते दौर में नौकरी नहीं, स्किल और सोच भी बन रही है असली ताकत

आइडिया

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में सिर्फ नौकरी पर निर्भर रहना कई लोगों को सीमित लगता है। बढ़ती महंगाई, सीमित सैलरी ग्रोथ और काम का दबाव ये सभी कारण लोगों को खुद का बिजनेस शुरू करने की ओर प्रेरित कर रहे हैं। हालांकि नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना एक बड़ा और जोखिम भरा फैसला होता है, लेकिन सही योजना, स्किल और मार्केट की समझ के साथ यह कदम आपकी जिंदगी बदल सकता है। अगर आप भी अपने करियर में बदलाव चाहते हैं और खुद का काम शुरू करने की सोच रहे हैं, तो मौजूदा ट्रेंड्स के आधार पर कुछ ऐसे बिजनेस आइडियाज हैं, जिन्हें कम निवेश में शुरू करके अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। खास बात यह है कि इनमें से ज्यादातर काम आप अपनी मौजूदा स्किल्स के दम पर ही शुरू कर सकते हैं। इससे आप खुद के बॉस बनकर अच्छी कमाई कर सकते हैं और अपने भविष्य को सुरक्षित कर सकते हैं।

नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना बड़ा और चुनौतीपूर्ण फैसला होता है। इसमें केवल उत्साह ही नहीं, बल्कि सही रणनीति, धैर्य और लगातार मेहनत की भी जरूरत होती है। बिना तैयारी या केवल दूसरों को देखकर लिया गया निर्णय कई बार आर्थिक और मानसिक दबाव बढ़ा सकता है।

सही योजना बदल सकती है जिंदगी

नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना आसान नहीं है, लेकिन सही दिशा में उठाया गया कदम आपकी पूरी जिंदगी बदल सकता है। इन 5 बिजनेस आइडियाज की खासियत यह है कि ये वर्तमान ट्रेंड्स पर आधारित हैं और इनमें ग्रोथ की जबरदस्त संभावनाएं हैं। अगर आप धैर्य, मेहनत और स्मार्ट प्लानिंग के साथ काम करते हैं, तो शुरुआत छोटी हो सकती है, लेकिन सफलता बड़ी जरूर होगी। हालांकि नौकरी छोड़कर बिजनेस शुरू करना एक बड़ा और चुनौतीपूर्ण फैसला होता है। इसमें केवल उत्साह ही नहीं, बल्कि सही रणनीति, धैर्य और लगातार मेहनत की भी जरूरत होती है। बिना तैयारी या केवल दूसरों को देखकर लिया गया निर्णय कई बार आर्थिक और मानसिक दबाव बढ़ा सकता है। इसलिए किसी भी नए बिजनेस की शुरुआत से पहले अपने कौशल, अनुभव, बजट और बाजार की वास्तविक जरूरतों को समझना बेहद जरूरी है।

कंसल्टेंसी/फ्रीलांसिंग : अनुभव कमाई का जरिया

आज का समय 'स्किल इकॉनमी' का है, जहां आपकी योग्यता ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी होती है। अगर आपने किसी कॉर्पोरेट सेक्टर में काम किया है जैसे आईटी, मार्केटिंग, एचआर या फाइनेंस तो आप आसानी से कंसल्टेंसी या फ्रीलांसिंग एजेंसी शुरू कर सकते हैं। इस बिजनेस में आपको बड़े ऑफिस या भारी निवेश की जरूरत नहीं होती। एक लैपटॉप, अच्छा इंटरनेट और प्रोफेशनल नेटवर्क ही आपकी शुरुआत के लिए काफी हैं। शुरुआत में आप छोटे क्लाइंट्स के साथ काम करके धीरे-धीरे अपनी टीम बना सकते हैं। कंसल्टेंसी बिजनेस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें कमाई की कोई सीमा नहीं होती। शुरुआती स्तर पर ही 50 हजार से 1.5 लाख रुपये महीना कमाना संभव है।

क्लाउड किचन : खाने के बिजनेस में मौका

खाने-पीने का बिजनेस हमेशा से लाभदायक रहा है, लेकिन अब इसका स्वरूप बदल चुका है। आज लोग रेस्टोरेंट जाने के बजाय घर बैठे खाना ऑर्डर करना ज्यादा पसंद करते हैं। यही वजह है कि क्लाउड किचन तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। क्लाउड किचन की खासियत यह है कि इसमें आपको रेस्टोरेंट की तरह महंगा सेटअप या बड़ी जगह की जरूरत नहीं होती। आप अपने घर से या छोटे किचन स्पेस से भी शुरुआत कर सकते हैं। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर रजिस्ट्रेशन करके आप अपने प्रोडक्ट को बड़े बाजार तक पहुंचा सकते हैं। इस बिजनेस में लागत अपेक्षाकृत कम होती है, जबकि मुनाफे की संभावना ज्यादा होती है। सही क्वालिटी और मार्केटिंग के साथ आप पहले ही महीने से अच्छी कमाई शुरू कर सकते हैं।

ई-कॉमर्स/ड्रॉपशिपिंग : स्मार्ट तरीका

डिजिटल इंडिया के इस दौर में ऑनलाइन बिजनेस तेजी से बढ़ रहा है। ई-कॉमर्स और ड्रॉपशिपिंग ऐसे मॉडल हैं, जिनमें आप बिना ज्यादा निवेश के अपना ऑनलाइन स्टोर शुरू कर सकते हैं। ड्रॉपशिपिंग की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें आपको प्रोडक्ट स्टॉक करने की जरूरत नहीं होती। जब ग्राहक ऑर्डर करता है, तो सप्लायर सीधे उस प्रोडक्ट को ग्राहक तक पहुंचाता है। इससे आपको गोदाम या इन्वेंट्री की चिंता नहीं रहती। यह बिजनेस पूरी तरह से ऑटोमेशन और डिजिटल मार्केटिंग पर आधारित है। सही रणनीति के साथ आप घर बैठे ही अच्छी कमाई कर सकते हैं। टेक गैजेट्स, किचन आइटम्स, हैंडीक्राफ्ट्स और इको-फ्रेंडली प्रोडक्ट्स जैसे सेगमेंट में काफी संभावनाएं हैं। यह बिजनेस धीरे-धीरे आपको 'पैसिव इनकम' का स्रोत भी दे सकता है, जहां आप सोते हुए भी कमाई कर सकते हैं।

ईवी चार्जिंग/ग्रीन एनर्जी : कल बनें लीडर

इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता ने एक नए बिजनेस सेक्टर को जन्म दिया है ईवी चार्जिंग स्टेशन। आने वाले वर्षों में यह सेक्टर तेजी से बढ़ने वाला है, जिससे इसमें निवेश करने वालों के लिए बड़े अवसर पैदा हो रहे हैं। आप रेजिडेंशियल सोसाइटी, मॉल या कमर्शियल एरिया में ईवी चार्जिंग पॉइंट लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। इसके साथ ही, ईवी मेंटेनेंस और रिपेयरिंग सर्विस जोड़कर अपनी आय को और बढ़ा सकते हैं। हालांकि इस बिजनेस में शुरुआती निवेश थोड़ा ज्यादा होता है, लेकिन इसकी लॉन्ग-टर्म संभावनाएं बेहद मजबूत हैं। अगर आप शुरुआती दौर में इस सेक्टर में कदम रखते हैं, तो आने वाले समय में बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं।

डिजिटल कंटेंट/ऑनलाइन कोर्स

अगर आपके पास किसी विषय की गहरी जानकारी है चाहे वह स्टॉक मार्केट हो, पढ़ाई, फिटनेस, कुकिंग या टेक्नोलॉजी तो आप उसे डिजिटल कंटेंट या ऑनलाइन कोर्स के रूप में बदल सकते हैं। आज के समय में यूट्यूब, सोशल मीडिया और ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म्स के जरिए लाखों लोग अपनी स्किल्स को बिजनेस में बदल रहे हैं। इस मॉडल की खासियत यह है कि इसमें आप खुद का ब्रांड बनाते हैं और आपकी कमाई आपकी मेहनत और पहचान पर निर्भर करती है। शुरुआत में आपको एक अच्छे स्मार्टफोन, माइक्रोफोन और बेसिक एडिटिंग सेटअप की जरूरत होती है। जैसे-जैसे आपका कंटेंट लोकप्रिय होता है, आपकी कमाई भी तेजी से बढ़ती जाती है। यह बिजनेस आपको नाम, पैसा और स्वतंत्रता तीनों देता है।

पहली ईएमआई चल रही है, फिर भी चाहिए लोन?

- एफओआईआर का खेल : इनकम का कितना हिस्सा ईएमआई में जा रहा
- ईएमआई ज्यादा तो लोन मुश्किल, बैंक कैसे तय करते हैं आपकी क्षमता
- लोन का टाइप भी अहम : होम, पर्सनल या क्रेडिट कार्ड का फर्क

सावधानी

बिजनेस डेस्क

आज के समय में लगभग हर दूसरा व्यक्ति किसी न किसी लोन की ईएमआई चुका रहा है। चाहे वह होम लोन हो, कार लोन या फिर क्रेडिट कार्ड का बकाया। ऐसे में जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है, तो सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि क्या पहले से ईएमआई चलने के बावजूद नया लोन मिल सकता है? जवाब है हां, मिल सकता है, लेकिन इसके लिए कुछ जरूरी शर्तों को पूरा करना होता है। बैंक सिर्फ आपकी सैलरी देखकर लोन मंजूर नहीं करते, बल्कि यह भी देखते हैं कि आपकी आय का कितना हिस्सा पहले से ईएमआई में जा रहा है और आपके पास कितना पैसा बच रहा है। यही गणित तय करता है कि आप नए लोन के लिए योग्य हैं या नहीं।

ईएमआई घटाएं, लोन की राह बनाएं, छोटे बदलाव का बड़ा असर

एफओआईआर क्या है

जब आप किसी बैंक या फाइनेंशियल संस्थान में लोन के लिए आवेदन करते हैं, तो सबसे पहले आपकी आय और खर्च का विश्लेषण किया जाता है। इसमें एक अहम भूमिका निभाता है एफओआईआर यानी फिक्स्ड ऑब्जेक्शन टू इनकम रेशियो। एफओआईआर यह बताता है कि आपकी कुल मासिक आय का कितना हिस्सा पहले से चल रही ईएमआई में खर्च हो रहा है। उदाहरण के तौर पर, अगर आपकी सैलरी 1 लाख रुपये है और आप 40,000 रुपये ईएमआई दे रहे हैं, तो आपका एफओआईआर 40% होगा। बैंक आमतौर पर 50% से कम एफओआईआर को सुरक्षित मानते हैं। अगर यह अनुपात 60% या उससे ज्यादा हो जाता है, तो बैंक को लगता है कि आप पर कर्ज का बोझ ज्यादा है, जिससे नए लोन की मंजूरी मुश्किल हो सकती है।

ईएमआई ज्यादा होने पर मुश्किल

जितनी ज्यादा आपकी मौजूदा ईएमआई होगी, उतनी ही कम आपकी नई लोन लेने की क्षमता होगी। बैंक यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि आप नया लोन भी बिना किसी परेशानी के चुका सकें। अगर आपकी आय का बड़ा हिस्सा पहले से ईएमआई में जा रहा है, तो बैंक के लिए यह जोखिम बढ़ जाता है कि आप भविष्य में भुगतान करने में चूक कर सकते हैं। इसी वजह से ज्यादा ईएमआई वाले ग्राहकों को या तो लोन नहीं मिलता या फिर कम राशि का लोन ऑफर किया जाता है।

लोन का प्रकार भी करता है असर

■ सिर्फ ईएमआई की राशि ही नहीं, बल्कि यह भी मायने रखता है कि आपका लोन किस प्रकार का है।
■ होम लोन : इसे सबसे सुरक्षित माना जाता है, क्योंकि इसके बदले संपत्ति गिरवी होती है।
■ कार लोनः मध्यम जोखिम की श्रेणी में आता है।
■ पर्सनल लोनः इसमें जोखिम ज्यादा होता है, क्योंकि यह बिना किसी गारंटी के दिया जाता है।
■ क्रेडिट कार्ड बकायाः इसे सबसे ज्यादा जोखिम वाला माना जाता है।
■ बैंक ऐसे ग्राहकों को प्राथमिकता देते हैं, जिनका कर्ज संतुलित और नियंत्रित होता है। अगर आपके पास ज्यादा अनसिक्योर्ड लोन (जैसे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड) हैं, तो नया लोन मिलने में दिक्कत हो सकती है।

क्या ईएमआई कम करके बढ़ा सकते हैं लोन की संभावना?

अगर आप नया लोन लेना चाहते हैं, तो अपनी मौजूदा ईएमआई को कम करना एक अच्छा उपाय हो सकता है। इसके लिए आप छोटे-छोटे लोन पहले बंद कर सकते हैं। मान लीजिए आपकी सैलरी 1 लाख रुपये है और ईएमआई 50,000 रुपये है (एफओआईआर = 50%)। अगर आप 5,000 रुपये की ईएमआई वाला लोन बंद कर देते हैं, तो एफओआईआर घटकर 45% हो जाएगा। इससे आपकी लोन लेने की क्षमता बढ़ सकती है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि लोन बंद करने के बाद इसका असर आपके क्रेडिट रिकॉर्ड में दिखने में 30–45 दिन का समय लग सकता है।

क्रेडिट स्कोर बनाम ईएमआई

लोन लेते समय क्रेडिट स्कोर भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आमतौर पर 750 या उससे अधिक का स्कोर अच्छा माना जाता है और इससे बैंक का भरोसा बढ़ता है। लेकिन सिर्फ अच्छा क्रेडिट स्कोर होना ही काफी नहीं है। अगर आपकी ईएमआई पहले से ज्यादा है और एफओआईआर उच्च स्तर पर है, तो लोन मिलने में परेशानी हो सकती है।

सरल शब्दों में ऐसे समझें

■ क्रेडिट स्कोर बैंक का भरोसा बढ़ाता है
■ एफओआईआर (ईएमआई का बोझ) तय करता है कि कितना लोन मिलेगा
■ नया लोन लेने से पहले ध्यान रखें ये बातें
■ अपनी सभी ईएमआई की सही जानकारी बैंक को दें, कुछ भी छिपाने की कोशिश न करें।
■ कोशिश करें कि आपकी कुल ईएमआई आपकी आय के 40% के आसपास ही रहे।
■ छोटे और अनावश्यक लोन को पहले बंद करें।
■ क्रेडिट कार्ड का बकाया समय पर चुकाएं।
■ खर्च और कर्ज के बीच संतुलन बनाए रखें।
■ सही बैलेंस से ही मिलेगा नया लोन

सही संतुलन बनाए रखें

अगर आपके ऊपर पहले से ईएमआई चल रही है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आपको नया लोन नहीं मिल सकता। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी आय, खर्च और कर्ज के बीच सही संतुलन बनाए रखें। एफओआईआर को नियंत्रित रखना, क्रेडिट स्कोर अच्छा बनाए रखना और अनावश्यक कर्ज से बचना— ये तीन बातें आपको आसानी से नया लोन दिला सकती हैं। सही प्लानिंग के साथ आप न सिर्फ नया लोन ले सकते हैं, बल्कि अपनी वित्तीय स्थिति को भी मजबूत बना सकते हैं।

खबर संक्षेप

कनीना में स्वास्थ्य जांच शिविर आज

कनीना। सेवा भारती की ओर से रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर कनीना मंडी स्थित लाला शिव लाल धर्मशाला में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा। शिवकुमार अग्रवाल ने बताया कि शिविर में हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष वर्मा, सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ. हर्ष अपनी सेवाएं देंगे।

बहुजन समाज पार्टी की बैठक आज

नारनौल। बहुजन समाज पार्टी की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक 12 मई सुबह 10 बजे गांव धनौन्दा में आयोजित की जाएगी। बसपा के केन्द्रीय प्रभारी सीपी सिंह व वरिष्ठ नेता अतरलाल एडवोकेट बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगे। राज्य प्रभारी एडवोकेट नेतराम, महेन्द्र सिंह जाजोरिया व लोकसभा प्रभारी पवन ठाकुर विशिष्ट अतिथि होंगे। अध्यक्षता पार्टी के जिला प्रधान प्रमोद कटारिया करेंगे। बसपा के विधानसभा अध्यक्ष रविन्द्र रामबास ने बताया कि बैठक में पार्टी के सभी जिला कमेटी, विधानसभा कमेटी व सेक्टर कमेटी पदाधिकारी हिस्सा लेंगे।

रिटायर्ड कर्मचारी संघ की बैठक कल

नारनौल। रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा संबंधित अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन की बैठक 11 मई को पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में प्रातः नौ बजे होगी। जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान घनश्याम दास शर्मा करेंगे। जिला सचिव रोशनलाल ने बताया कि पांचों खण्डों के सभी पदाधिकारी व सदस्य बैठक में भाग लेंगे।। बैठक में पूर्व राज्य उपप्रधान जगनलाल निनानिया जिले में रिटायर्ड कर्मचारियों की ओर से अब तक किए गए संघर्ष बारे में विस्तार से बताएंगे।

विभिन्न मामलों में 18 आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। पुलिस ने एक ही दिन में अलग अलग आपराधिक मामलों में कुल 18 आरोपितों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। थाना अटेली पुलिस ने मारपीट व गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। वहीं सीआईए ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस एक्ट के तहत मादक पदार्थों से जुड़े एक मामले में पांच आरोपितों को एक साथ दबोचा है। थाना नांगल चौधरी पुलिस ने डराने धमकाने के अलग अलग मामलों में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। न्यायालय में पेश न होने वाले एक आरोपित व थाना सदर महेंद्रगढ़ पुलिस ने एक व्यक्ति को काबू किया है।

युवाओं ने बाबा मुकंददास गोशाला में की सेवा

नारनौल। क्षेत्र में सामाजिक सेवा के कार्यों में सक्रिय युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा की ओर से बाबा मुकंददास गोशाला में गोसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान संस्था सदस्यों ने गोशाला में पहुंचकर गायों के लिए चारा, सवामणी व अन्य व्यवस्थाओं में सहयोग किया। कार्यक्रम में योगेश सैनी, मनोज ठाकुर, हिम्मत, सौरभ राजपूत, नरेंद्र, तनुज, अर्पित गोयल, गुल्लू पंडित, रविंद्र सैनी सहित कई युवा उपस्थित रहे।

आरपीएस कोसली में विद्यार्थियों ने मनाया मदर्स डे

बच्चों की सफलता के पीछे मां का त्याग और समर्पण

बच्चों ने गीत, नृत्य, कविता और सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर अतिथियों का मन मोह लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद अतिथि व शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस स्कूल कोसली में मदर्स-डे उत्साह, उमंग एवं पारिवारिक स्नेह के वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों की माताओं को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में माताओं के लिए अनेक मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसकी उन सभी ने भरपूर तारीफ की। विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के सम्मान में गीत, नृत्य, कविता एवं रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोसली एसडीएम विजय यादव की धर्मपत्नी सुषमा यादव, आईटीबीपी 28वीं बटालियन जाटूसाना के कमांडेंट अखिल जैन की धर्मपत्नी मीनल जैन एवं असिस्टेंट कमांडेंट विजेंदर सिंह की धर्मपत्नी राजलक्ष्मी ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों और अभिभावकों के बीच भावनात्मक संबंधों को और अधिक मजबूत बनाते हैं तथा समाज में पारिवारिक संस्कारों को बढ़ावा देते हैं। स्कूलों में हमेशा इस तरह के कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए। विद्यालय के अध्यक्ष श्रीभगवान यादव ने कहा कि मां का स्थान जीवन में सर्वोच्च होता है और बच्चों की सफलता के पीछे मां का त्याग एवं संस्कार सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। निदेशक हंसराज यादव ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि नैतिक एवं पारिवारिक मूल्यों के विकास के लिए भी निरंतर कार्य कर रहा है। प्राचार्या अंजू यादव ने सभी माताओं एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में बच्चों के साथ माताएं व शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

मां अपने बच्चों पहली शिक्षक

रेवाड़ी। राज इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को प्री-नर्सरी विंग के बच्चों के लिए मदर्स-डे पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आगाज जनरल सेक्रेटरी जयश्री सैनी व अभिभावकों ने मां सरस्वती को माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित करके किया। मंच संचालन शिक्षिका मीनू ने किया। इस दौरान बच्चों ने अनेक मनमोहक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में मदर्स ने रैंप वाक, सोलो डांस व सोलो सिंगिंग में प्रतिभागिता की। इस अवसर पर स्कूल निदेशक नवीन सैनी ने कहा कि आज के समय में शिक्षा के साथ-साथ संस्कार एवं स्वास्थ्य का होना भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मदर्स को स्मार्ट मदर्स बनने की अपील की। उन्होंने बताया कि एक मां अपने बच्चों के लिए शिक्षक और डॉक्टर दोनों होती है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। स्कूल के चेयरमैन राजेन्द्र सैनी ने कहा कि मां के कर्ज को चुकाना आसान नहीं है। जिंदगी में मां का होना जरूरी है, मां की दुआओं से ही हर मुश्किल आसान होती है। इस मौके पर विद्यालय के निदेशक जितेंद्र सैनी, हेमंत सैनी, डीन विजय सिंह व उपप्रधानाचार्य निधि सैनी सहित सभी शिक्षक उपस्थित थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 10103 मामले निपटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते हुए जज। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशानुसार तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश गुरविंदर सिंह वाधवा के मार्गदर्शन में शनिवार को जिला न्यायालय रेवाड़ी, उपमंडल न्यायालय बावल एवं कोसली में दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत लगी। इसका संचालन मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डा. रेनू सोलखे की देखरेख में हुआ। राष्ट्रीय लोक अदालत एवं प्री-लोक अदालतों के माध्यम से प्री-लिटिगेशन तथा न्यायालयों में लंबित 10103 मामलों का आपसी सहमति से निपटारा किया गया। इन मामलों में दावों एवं विवादों से संबंधित 9 करोड़ 6 लाख 65 हजार 538 रुपये की राशि का समाधान किया गया। रेवाड़ी न्यायालय में लगभग 8 से 10 वर्षों से विचाराधीन कई पुराने मामलों का भी लोक अदालत के माध्यम से सफलतापूर्वक निपटारा किया गया। लोक अदालत की विभिन्न बेंचों की अध्यक्षता अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र पाल, अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय प्रदीप चौधरी, अतिरिक्त सिविल जज सीनियर डिवीजन एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अर्चना, सिविल जज जूनियर डिवीजन एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी आकाश सरोहा तथा आदित्य सैनी ने की। उपमंडल न्यायालय कोसली में सिविल जज जूनियर डिवीजन एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी निशा तथा बावल में सिविल जज जूनियर डिवीजन एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी प्रदीप कुमार की अध्यक्षता में बेंचों ने सुनवाई की।

चुनाव को लेकर पुलिस ने निकाला मार्च

- आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। शहर में फ्लैग मार्च निकालते हुए पुलिस। फोटो : हरिभूमि

जिले में 10 मई को होने वाले शहरी निकाय आम चुनाव और पंचायती राज संस्थाओं के उप चुनावों को शांतिपूर्ण संपन्न कराने व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की ओर से शहर में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व डीएसपी ट्रैफिक पवन कुमार ने किया। इस दौरान सिटी एचएचओ इंस्पेक्टर सूबे सिंह, रामपुरा थाना एचएचओ पीएसआई संजय व सभी चौकी इंचार्ज सहित भारी पुलिस बल शामिल रहा। फ्लैग मार्च के दौरान लोगों से भयमुक्त मतदान करने की अपील की गई। शहर में नाईवाली चौक से शुरू करके अग्रसेन चौक, बस स्टैंड, अंबेडकर चौक, धारूहेड़ा चुंगी, झज्जर चौक, रेलवे चौक, कंकरवाली व थाना रामपुरा एरिये में पुलिस ने फ्लैग मार्च किया। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि निष्पक्ष व स्वतंत्र चुनाव कराना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शहरी निकाय और पंचायती राज के उप चुनावों को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। चुनाव में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी व लोगों में भय पैदा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिले के सभी वल्नरेबल बूथों पर सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम रहेंगे। आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भी पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी।

नो एंट्री में घुसे ट्रक ने कार को मारी टक्कर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। मौके पर खड़ा ट्रक व जमा लोग। फोटो : हरिभूमि

महावीर चौक पर शनिवार सुबह एक ट्रक ड्राइवर ने वहां पर खड़ी कार को साइड से टक्कर मार दी। गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी को कोई चोट नहीं आई, मगर गाड़ी में काफी नुकसान हो गया। शहर का महावीर चौक सबसे व्यस्त चौराहा है। यहां पर ट्रैफिक का दबाव रहता है। हालांकि ट्रैफिक नियंत्रण करने के लिए यहां पर रेड लाइट भी लगाई गई हैं। वहीं भारी वाहनों का प्रवेश भी बंद किया हुआ है। जिसके कारण ट्रक व डंपर इस चौक की ओर नहीं आते।

शनिवार सुबह एक ट्रक यहां पर नो एंट्री में घुस गया। ट्रक ड्राइवर चितवन वाटिका की ओर से आ रहा था। जब वह सिंघाना रोड पर अपना ट्रक मोड़ने लगा तो लेफ्ट साइड में खड़ी स्विफ्ट कार उसको दिखाई नहीं दी। जिसके चलते उसने कार को टक्कर मार दी। कार में शहर निवासी युवक व उसका पिता बैठे हुए थे। ट्रक की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त हो गई तथा आगे का हिस्सा टूट गया। हादसा होते ही वहां पर भीड़ जमा हो गई।

जिसकी वजह से शहर के मुख्य चौराहे पर कुछ देर के लिए जाम भी लग गया। इससे लोगों को काफी परेशानी भी हुई। यह नजारा देख चौक पर खड़ी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। वहीं ट्रक व कार को साइड में कराकर जाम खुलवाया। जिससे यातायात सुचारू चल सका।

कोसली में कल मनेगा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पर्व 11 जनवरी तक चलेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

रेवाड़ी। बैठक में अधिकारियों से चर्चा करते एसडीएम विजय कुमार यादव।

भारत की संस्कृति एवं सनातन परंपरा में आस्था के प्रतीक माने जाने वाले सोमनाथ मंदिर के संघर्ष, आक्रमण और पुनरुत्थान के एक हजार साल पूरे होने के उपलक्ष्य में भारत सरकार सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मना रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में यह पर्व 11 मई से 11 जनवरी तक जारी रहेगा। जिला स्तरीय सोमनाथ स्वाभिमान महोत्सव 11 मई को कोसली के प्राचीन शिव मंदिर में धूमधाम से मनाया जाएगा। कोसली के एसडीएम विजय कुमार यादव ने महोत्सव को लेकर आयोजित बैठक में बताया कि स्थानीय बाईपास रोड पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में जिला स्तरीय महोत्सव सोमवार को सुबह 9 बजे मनाया जा रहा है। इस दौरान सोमनाथ मंदिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का लाइव प्रसारण होगा। सोमनाथ मंदिर का देश की आजादी के बाद मई 1951 में पुनर्निर्माण कराया गया था, जिसके अब 75 साल पूरे होने जा रहे हैं। भगवान शिव के 12 ज्योर्तिलिंगों में से सोमनाथ को प्रथम ज्योर्तिलिंग माना गया है। प्राचीन काल में इस मंदिर की भव्यता और सुंदरता को देखकर ही आतातियों ने इस पर आक्रमण किया था।

एसडीएम ने बताया कि सोमवार को सुबह 9 बजे कोसली मठ मंदिर से शिव मंदिर तक भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। दस बजे शिव मंदिर में विधिवत रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इस अवसर पर भगवान शिव की भक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

ये रहे मौजूद

बैठक में वन विभाग, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्य एवं पूर्ति, बागवानी, पुलिस, बिजली वितरण निगम,मार्केट कमेटी, पंचायती राज, सूचना एवं जनसंपर्क सहित सभी विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई। इस अवसर पर बीडीपीओ अनिल कुमार, एसडीओ सुमित कुमार, ग्राम सचिव मुकेश कुमार, उप अधीक्षक राजेश कुमार, वीर सिंह, दलसिंह आर्य व डीएसपी रीडर सुनील कुमार मौजूद थे। एसडीएम विजय कुमार यादव ने प्राचीन शिव मंदिर का दौरा भी किया।

राजकीय महिला कॉलेज को मिले 4 नए कोर्स

- विधायक नए कोर्स शुरू करवाने में विधायक की अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। विधायक ओमप्रकाश यादव का धन्यवाद देते स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

राजकीय महिला महाविद्यालय में एमए साइकोलॉजी, बीएससी विद् मेजर इन मैथ्स, बीए विद् मेजर इन इंग्लिश व फिजिकल एजुकेशन विषय समेत कुल चार नए कोर्सेज के लिए इस सत्र से दाखिले किए जाएंगे। इन नए कोर्सेज को महविद्यालय में लाने का श्रेय विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव को जाता है। जिनके अथक प्रयासों से महाविद्यालय को ये नये कोर्स इस सेशन से ही प्राप्त हुए है। इससे पूर्व भी विधायक के सहयोग से महाविद्यालय को अनेक नये पीजी कोर्स प्राप्त हुए है।

वर्तमान में उनके प्रयासों से महाविद्यालय में कुल नौ विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन करने की सुविधा है। महिला महाविद्यालय में चार नए कोर्सेज शुरू करने में विधायक के सहयोग के लिए प्राचार्य प्रो. आरपी सिंह सहित समस्त स्टाफ ने आभार व्यक्त किया। प्राचार्य प्रो. आरपी सिंह ने बताया कि विधायक ने लड़कियों के लिए शिक्षा को बढ़ावा दिया है, वह वास्तव में प्रशंसनीय व अत्यंत सराहनीय है।

इन्होंने दिया धन्यवाद

इस मौके पर प्राचार्य प्रो. आरपी सिंह, डॉ. अजय थाकन, रजिस्ट्रार डॉ. सुनील कुमार, डॉ. नीलम यादव, डॉ. राधिका, डॉ. प्रीति यादव, डॉ. मुनेश यादव, डॉ. सुमन यादव, डॉ. पूनम यादव, डॉ. ज्योति, डॉ. सुनीता जाखड़, डॉ. श्वेता, डॉ. रमन, डॉ. मनीषा तायल, डॉ. पूनम बाई, सुनील कुमार समेत समस्त स्टाफ ने विधायक को मिठाई खिलाकर विशेष धन्यवाद दिया।

विधायक ने 1.27 करोड़ के चेक बांटे

- कहा-सरकार गोमाता की सेवा और संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। चेक सौंपते विधायक। फोटो : हरिभूमि

विधायक कंवर सिंह यादव ने बाबा खेतानाथ गोशाला खेड़की में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न गोशालाओं को एक करोड़ 27 लाख रुपये के चेक वितरित किए। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार गोमाता की सेवा और संरक्षण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गोशालाएं केवल पशुओं के संरक्षण का केंद्र नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और संस्कारों की पहचान हैं। कार्यक्रम में आदर्श गोशाला सतनाली, श्री बांके बिहारी गोशाला जड़वा, बाबा गुदड़िया गोशाला माधोगढ़, बाबा जयराम दास खुड़ाना गोशाला, सेठ श्री चंद्रमल आदर्श गोशाला पथरवा, श्री गोशाला महेंद्रगढ़, श्री गोशाला धोलपोश आश्रम सैनीपुरा, श्री कृष्ण सुदामा गोशाला भालखी, बाबा खेतानाथ गोशाला खेड़की और बाबा समताई नाथ गोशाला नावां के प्रतिनिधियों को सहायता राशि के चेक सौंपे गए। इस मौके पर राजेश प्रधान खेड़की, मुकेश गोयल, सत्यनारायण, राजकुमार पूर्व प्रधान, सत्यवीर सिंह, वीरेंद्र, गुगन बोहरा, सुरेश, रणधीर सिंह, महासिंह, लाल सिंह, भूपसिंह, लालचंद सहित अनेक गोशाला पदाधिकारी उपस्थित रहे। विधायक ने कहा कि सरकार द्वारा गौशालाओं को आर्थिक सहायता देकर उनके बेहतर संचालन, चारे-पानी और अन्य आवश्यक सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है।

सेंसर लगे कांटे और मैजिक चिप से किसान को ठगने की साजिश बेनकाब

- बव्वा में सरसों खरीदने गया था छितरौली का व्यापारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

समीपवर्ती गांव बव्वा में एक शातिर दिमाग व्यापारी ने किसान को ठगने का नायाब तरीका निकाला। सरसों खरीदने आए इस व्यापारी ने किसान को चूना लगाने के लिए पहले ही अपने पैरों में सेंसर डिवाइस फिट कर ली। जिससे कांटे के वजन में करीब 5.6 किलोग्राम का अंतर सामने आया। किसान को संदेह हुआ तो पूरे प्रकरण का पर्दाफाश हुआ। बव्वा के किसान चंद्रहास ने छिथरौली के व्यापारी दलवीर के साथ सरसों बेचने का सौदा 6500 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से तय किया था। सरसों बेचते समय शुरू में किए गए वजन को लेकर ठीक लगाए, लेकिन जैसे जैसे शीघ्रता से सरसों के बैग का वजन किया जाने लगा तथा एक ही लेवल से भरे बैग के तौल में अंतर दिखाई दिया, तो किसान को गड़बड़ महसूस हुई। व्यापारी दलवीर अपनी सूझबूझ से प्रत्येक बैग पर पांच से छह किलोग्राम की हेराफेरी कर रहा था। सरसों के 26 बैग तोले जाने पर किसान का शक यकीन में बदल गया। किसान ने पुष्टि के लिए दूसरा कांटा मंगवाया और कट्टों का दोबारा वजन किया। जिसका नतीजा चौंकाने वाला सामने आया। 26 बैग में एक क्विंटल सरसों की हेराफेरी पकड़ी गई। व्यापारी दलवीर को रंगे हाथों पकड़ा तथा पूछताछ की तो उसने हेराफेरी कबूल कर ली। व्यापारी ने ग्रामीणों के सामने बताया कि उसने कांटे में सेंसर व अपने पैर में एक मैजिक चिप लगाई हुई थी, जिसके जरिए वह रिमोट की तरह वजन को कम कर देता था। धोखाधड़ी को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने व्यापारी को खरीखोटी सुनाई। व्यापारी ने अपनी गुडविल बचाने के लिए ग्रामीणों के कहने पर गांव के चार मंदिरों के लिए 22000 रुपये की रसीद कटवाई गई। तब जाकर उसका पीछा छूटा।

निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव करवाना निर्वाचन आयोग की प्राथमिकता

अधिकारियों-कर्मचारियों पर टिकी चुनाव की सफलता

तालमेल के साथ अपनी ड्यूटी निभाएं सभी कर्मचारी : डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। गर्ल्स कॉलेज में पोलिंग पार्टियों को जानकारी देते डीसी।

डीसी अभिषेक मीणा ने शहरी निकाय चुनाव को लेकर राजकीय कन्या महाविद्यालय परिसर में पोलिंग पार्टियों को संबोधित करते हुए कहा कि निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव कराना निर्वाचन आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसके लिए चुनाव ड्यूटी पर तैनात किए गए सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को आपसी तालमेल व समन्वय से कार्य करते हुए ईमानदारी व निष्पक्षता से अपनी ड्यूटी का निर्वहन करना है।

आरओ ने पोलिंग पार्टी को दी जानकारी

नगर परिषद रेवाड़ी के रिटर्निंग अधिकारी एवं एडीसी राहुल मोदी ने कहा कि चुनाव के दौरान बूथ पर नियुक्त पोलिंग पार्टी एक टीम के रूप में काम करें। चुनाव के एक-एक बिंदु को अच्छी तरह से समझ लें, ताकि बाद में कोई परेशानी न आए। उन्होंने कहा कि सामान की सूची के साथ ईवीएम मशीन और वीवीपैट के नंबर का बूथ से मिलान अवश्य कर लें।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि चुनाव की सफलता का दारोमदार पूर्ण रूप से अधिकारियों-कर्मचारियों की कार्यकुशलता पर टिका है, जो अधिकारी-कर्मचारी चुनाव प्रक्रिया से संबंधित बारीकियों को अच्छी तरह से समझेंगे उनके समक्ष चुनाव के दौरान कोई परेशानी व समस्या नहीं आएगी।

डीसी ने राजकीय कन्या महाविद्यालय परिसर में बनाएं गए स्ट्रांग रूम सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया।

खबर संक्षेप

नन्हे बच्चों ने माताओं के साथ मनाया मातृ दिवस

धारूहेड़ा। लिटिल मेस्ट्रो स्कूल धारूहेड़ा में शनिवार को मातृ दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में बच्चों के साथ आई उनकी माताओं का स्वागत तिलक लगाकर किया गया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मां के लिए कविता गायन किया। कक्षा दूसरी व तीसरी के बच्चों ने अपनी माताओं के साथ नृत्य किया। केजी कक्षा की लियांशी यादव के नृत्य ने सभी का मंत्रमुग्ध किया। प्रिंसीपल श्रद्धा धनुका ने बच्चों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों की सीखने की क्षमता, सामाजिक कौशल और शारीरिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एक रंगारंग मंच प्रदान करते हैं।

सट्टा खाईवाली करते हुए एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सेक्टर-3 चौकी पुलिस ने सरेआम सट्टा खाईवाली करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मोहल्ला कुतुबपुर निवासी दिपक सैनी के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1150 रुपये भी बरामद किए है। गत 8 मई को पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक नेहरू पार्क के गेट के सामने में सरेआम सट्टा खाईवाली कर रहा है। सूचना पर पुलिस ने मौके से आरोपी को काबू कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सांसद शर्मा होंगी मुख्यातिथि

कोसली। कोसली के झज्जर बाईपास रोड पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में 11 मई सोमवार को आयोजित किए जा रहे जिला स्तरीय सोमनाथ स्वाभिमान महोत्सव राज्यसभा सदस्य एवं सांसद रेखा शर्मा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगी। कोसली के विधायक अनिल यादव, रेवाड़ी के विधायक लक्ष्मण सिंह यादव तथा बावल के विधायक डा. कृष्ण कुमार को समारोह में विशिष्ट अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया है।

कार्य को लेकर स्वास्थ्य सचिव ने अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

माजरा एम्स निर्माण कार्य में तेजी लाएं अधिकारी

आगामी सत्र से एमबीबीएस की कक्षाएं होंगी शुरू

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की सचिव पुण्या सलीला श्रीवास्तव ने निर्माणाधीन एम्स माजरा का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। एम्स निर्माण को लेकर अधिकारियों को निर्देश देती सचिव तथा अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए सचिव। फोटो : हरिभूमि

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की सचिव पुण्या सलीला श्रीवास्तव ने शनिवार को निमार्णाधीन अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान माजरा का दौरा कर निर्माण कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की तथा आगामी शैक्षणिक सत्र से एमबीबीएस कक्षाएं शुरू करने की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने एम्स परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव विजय नेहरा और हरियाणा मेडिकल शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के निदेशक यशेंद्र सिंह उपस्थित थे। डीसी अभिषेक मीणा ने माजरा एम्स से संबंधित प्रशासनिक कार्यों और प्रगति की जानकारी दी। इस मौके पर सचिव श्रीवास्तव ने कहा कि केंद्र सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से एम्स माजरा के निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि एम्स निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से मंत्रालय को भेजी जाए, ताकि कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग हो सके। उन्होंने आगामी सत्र से शुरू होने वाली एमबीबीएस की कक्षाएं को लेकर भी सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी करने के निर्देश दिए।

सचिव ने निर्माण कार्यों का किया अवलोकन

सचिव पुण्या सलीला श्रीवास्तव ने एम्स के आयुष भवन, नर्सिंग भवन, शेल्टर होम व गेस्ट हाउस सहित एम्स परिसर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का अवलोकन किया और गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एम्स माजरा क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से एम्स से जुड़े विभिन्न कार्यों को तेजी से पूरा कराने के लिए निरंतर समन्वय स्थापित किया जा रहा है। इस अवसर पर एम्स माजरा के ईडी एवं सीईओ डा. डीएन शर्मा व उप निदेशक प्रशासन)राकेश कुमार सहित निर्माण एजेंसी के अधिकारी एवं अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

रेवाड़ी। प्रेसवार्ता करते हुए विजय सोमाणी। फोटो : हरिभूमि

अच्छी छवि, स्वच्छ व्यवहार और संघर्षशील उम्मीदवार को ही चुने जनता: सोमाणी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राष्ट्रीय नवचेतना मंच की ओर से शनिवार को शहरी निकाय चुनाव को लेकर ज्यादा से ज्यादा मतदान करने की अपील की गई। सरकुलर रोड स्थित सेंड पाइपर टयूरिज्म काम्प्लेक्स में आयोजित प्रेसवार्ता में संगठन के अखिल भारतीय संयोजक जननेता विजय सोमाणी ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने का यह सुअवसर है और आमजन को इसे पहचानना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह समय जन भावनाओं को समझने और उनकी समस्याओं को हल कराने के लिए सही प्रत्याशी को चुनने के लिए 10 मई को मतदान करने का है। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन को निकाय के आम चुनाव को लेकर मतदान के दिन प्रत्येक मतदान केंद्र पर बिजली, पेयजल, बुजुर्गों के लिए रैंप जैसी सुविधाओं की उपलब्धता करनी चाहिए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर संजय वर्मा, इंस्पेक्टर खटाना, एडवोकेट परिवर्तन आर्य एडवोकेट कैलाश चंद, कृष्णा व सुनील पनवाल मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि रेवाड़ी और धारूहेड़ा के लोग उन प्रतिनिधियों को चुनने से बचें, जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं या जिनको उन्होंने पहले चुना, मगर उन्होंने सदन और समाज में अपनी भूमिका सही ढंग से नहीं निभाई। उन्होंने कहा कि जनता अच्छी छवि, स्वच्छ व्यवहार और संघर्षशील उम्मीदवार को ही चुने। परिवारवाद, वंशवाद और सामंतवाद की सोच के खिलाफ बिना किसी दबाव के मतदान करें।

पीटीएम में अभिभावकों के लिए लगाया निःशुल्क जांच शिविर

रेवाड़ी। शिविर में जांच कराते हुए अभिभावक।

रेवाड़ी। सरकुलर रोड जेपीएस प्रबंधन समिति की ओर से शनिवार को पीटीएम के अवसर पर अभिभावकों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। इस मौके पर गुरुग्राम केअस्पताल के अनुभवी चिकित्सकों ने 300 से अधिक अभिभावकों एवं शिक्षकों के स्वास्थ्य की जांच की। विद्यालय के मीडिया प्रभारी गोपाल शर्मा ने बताया कि शिविर में सामान्य जांच के साथ-साथ बीपी-शुगर सहित रक्त संबंधी विकारों एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति अभिभावकों को जागरूक किया गया। प्रबंधन समिति के प्रधान सीए मोहित जैन, उप प्रधान सीमा जैन, सचिव अमित जैन, प्रबंधक प्रवीण जैन, कोषाध्यक्ष सचिन जैन, शासकीय निकाय सदस्य निपुण जैन, प्रद्युम्न जैन, विजय जैन, रविंद्र जैन, प्रधानाचार्या सोनल छाबड़ा व उपप्रधानाचार्या विजय गुप्ता ने चिकित्सकों का अभिवादन किया। डा. उमेश एमडी, डा. शिल्पा जायसवाल एमडी, डा. मनदीप तथा सहायक प्रबंधक वीरपाल ने अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के टिप्स दिए।

विद्यार्थियों को प्राथमिक चिकित्सा का दिया परामर्श

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मीरपुर

रेवाड़ी। विद्यार्थियों को प्राथमिक चिकित्सा किट प्रदान करते प्रोफेसर।

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में समाज कार्य विभाग की ओर से प्राथमिक सहायता किट स्थापना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह तथा संचालन डा. सत्येंद्र कुमार सहायक प्रोफेसर ने किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डा. देवेंद्र सिंह ने कुलसचिव का पौधा भेंट कर स्वागत किया। समाज कार्य विभाग की ओर से यूथ रेडक्रॉस की समन्वयक प्रो. समृद्धि तंवर का स्वागत किया गया। इस मौके पर छात्रा संगीता, आरती एवं मनीषा ने समाज कार्य विभाग व अर्थशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों को प्राथमिक चिकित्सा का परामर्श दिया। किसी दुर्घटना या आपात स्थिति में डॉक्टर के पास पहुंचने से पूर्व घायल व्यक्ति को दी जाने वाली तत्काल सहायता को प्राथमिक सहायता कहा जाता है। इसके माध्यम से घायल व्यक्ति को प्रारंभिक उपचार देकर उसकी स्थिति को गंभीर होने से बचाया जा सकता है। समाज कार्य विभाग के छात्रों ने प्राथमिक सहायता किट को अपनाया और हर महीने इसकी देखभाल करने की जिम्मेदारी ली। कुलसचिव ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी, सेवा भावना एवं जागरूकता को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यों को निरंतर जारी रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में समाज कार्य विभाग से डा. सत्येंद्र कुमार, सतीश कुमार एवं मनीषा ने सहयोग दिया। इस अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर सतीश कुमार, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. विकास बत्रा, डा. रितु कुमारी, राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. मुकेश कुमार और अर्थशास्त्र विभाग के शोधार्थी एवं विद्यार्थी भी उपस्थित थे।

छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से मां के प्रति व्यक्त की भावनाएं

रेवाड़ी। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बीकानेर में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल के विद्या सदन के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य मनोज कुमार ने की। सदन प्रभारी प्रवक्ता कांता लहकरा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं ने विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से मां के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त की। छात्रा नताशा ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोहा। पूर्ति ने भाषण के माध्यम से मां के त्याग, समर्पण एवं ममता पर प्रकाश डाला। संजना ने गीत प्रस्तुत कर वातावरण को भावुक बनाया, वहीं शगुन ने कविता पाठ के माध्यम से मां की महिमा का सुंदर वर्णन किया। कक्षा 7वीं की छात्राओं ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर मां के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त किया। प्रवक्ता पुनीता सैनी ने कविता पाठ के माध्यम से मातृत्व की गरिमा को उजागर किया। इस मौके पर विक्टोरिया ने कहा कि मां जीवन की प्रथम गुरु होती है, जिनके संस्कार व्यक्ति के जीवन को दिशा प्रदान करते हैं। प्राचार्य ने कहा कि मां का स्थान जीवन में सर्वोच्च होता है तथा प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माता का सम्मान एवं सेवा करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को माता-पिता के प्रति आदर, प्रेम एवं कर्तव्य निभाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अध्यापक मुकेश कुमार सहित समस्त विद्यालय स्टाफ तथा विद्यार्थी उपस्थित थे।

कोसली लोक अदालत में 418 मामलों की सुनवाई, 45 केसों का हुआ निपटारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

शनिवार को कोसली अदालत की सिविल जज जूनियर डिवीजन एवं जेएमआईसी निशा की अध्यक्षता में न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में 418 केस सुनवाई के लिए रखे गए, जिनमें से 45 मामलों का दोनों पक्षों की सहमति से निपटारा किया गया। इन मामलों में 14 लाख 53 हजार 725 रुपये की समझौता राशि घोषित की गई। जेएमआईसी एवं सिविल जज जेडी निशा ने दीवानी, फौजदारी, बैंक लोन रिकवरी, बीमा क्लेम, चेक बाउंस, मैरिज एक्ट व एमवीए एक्ट आदि के 418 मामलों की सुनवाई की, जिनमे से 45 मामले निपटाए गए। इनमें 14 लाख 53 हजार 725 रुपये की राशि हर्जाना व समझौता के रुप में स्वीकृत की गई। कोसली उपमंडल विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन एवं एसडीजेएम अशोक कुमार ने कहा कि लोक अदालत में आपस की सहमति से हर एक विवाद का निपटारा किया जाता है।

संविधान ने प्रत्येक नागरिक को वोट देने का महत्वपूर्ण अधिकार प्रदान किया

रेवाड़ी। हमारा परिवार संस्था के तत्वावधान में शनिवार को में लोकतन्त्र जागरूकता कार्यकम करें शत प्रतिशत मतदान-बनें लोकतन्त्र महान का आयोजन आशियाना वृद्धाश्रम झज्जर रोड पर किया गया। वृद्धाश्रम के संचालक दिनेश राजपाल की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांत अध्यक्ष डा. रामबाबू यादव, समाजसेवी डा. पवन गोयल, शिक्षाविद प्रो सीएल सोनी व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर मौजूद थे। लोकतंत्र का अर्थ है, जनता की ओर से चुनी हुई सरकार से है। संविधान ने प्रत्येक नागरिक को वोट देने का महत्वपूर्ण अधिकार प्रदान किया है। सभी नागरिकों का कर्तव्य बनता है कि अपने इस अधिकार का विवेकपूर्वक प्रयोग करें। अपना कीमती वोट चरित्रवान प्रत्याशी को ही दें। जाति-पाति के भेदभाव से ऊपर उठकर योग्य व शिक्षित उम्मीदवार का ही चयन करें। महिला संयोजक शशि जुनेजा, महिला प्रधान निशा सीकरी व पतंजलि के जिला प्रभारी दयाराम आर्य ने कहा कि हमें अपने संविधान पर गर्व है। कार्यक्रम में डा. देवेन्द्र, पुरुषोत्तम नन्दवानी, शिव कुमार वर्मा, आदर्श, कपिल कपूर, प्रीती, ओजस्वी, पूर्वाशी, सोनिया व सुदर्शन सहित अनेक लोग मौजूद थे।

बच्चों ने मां के सम्मान में कविता पाठ और भाषण की दी प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

लाखनौर स्थित विवेकानंद पब्लिक स्कूल में मदर्स-डे के अवसर पर भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के होनहार विद्यार्थियों ने विभिन्न रचनात्मक व सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से अपनी माताओं के प्रति अपने निःस्वार्थ प्रेम और आदर को व्यक्त किया। कार्यक्रम की शुरूआत बच्चों द्वारा अपनी माताओं के लिए बनाए गए ग्रीटिंग कार्ड के प्रदर्शन से हुई। बच्चों ने मेरी मां विषय पर कविता पाठ और भाषण भी प्रस्तुत किए, जिससे पूरा वातावरण भावुक और प्रेममय हो गया। विद्यालय के प्राइमरी विंग के नन्हें मुन्ने बच्चों ने कई आकर्षक गतिविधियों में भाग लिया, जिनमें चित्रकला, ग्रीटिंग कार्ड, गायन व नृत्य प्रतियोगिताएं शामिल रही। इस मौके पर विद्यालय के निदेशक एडवोकेट सुधीर यादव ने कहा कि मां ईश्वर का सबसे अनमोल उपहार है और हमें उनका आदर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य बच्चों में नैतिक मूल्यों का संचार करना और उन्हें अपने माता-पिता के प्रति सम्मान व्यक्त करना सिखाना है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

मतदान केंद्रों के अंदर फोन या अन्य प्रतिबंधित वस्तुएं ले जाना पूरी तरह वर्जित

चुनाव ड्यूटी में तैनात अधिकारी व कर्मचारी पूरी निष्पक्षता के साथ कार्य करें: एसपी

- पुलिस कर्मी पीठासीन अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। पुलिस अधिकारियों की बैठक लेते हुए एसपी हेमेंद्र मीणा। फोटो : हरिभूमि

10 मई को होने वाले शहरी निकाय आम चुनाव और पंचायती राज संस्थाओं के उपचुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के शनिवार को एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने जिला लघु सचिवालय के सभागार में चुनाव ड्यूटी में तैनात सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों, थाना प्रबंधकों, क्राइम यूनिट और चौकी इंचार्जों के साथ बैठक कर दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर एसपी ने स्पष्ट किया कि पुलिस का मुख्य उद्देश्य भयमुक्त वातावरण में चुनाव संपन्न कराना है। इसलिए ड्यूटी पर तैनात समस्त कर्मचारी पूर्ण निष्पक्षता के साथ कार्य करें। मतदान केंद्रों के पास अनावश्यक भीड़ एकत्रित न होने दें। ड्यूटी के दौरान किसी भी प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन न करें। चुनाव प्रक्रिया में बाधा डालने वाले या आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध तत्काल कानूनी कार्रवाई करे। मतदाताओं के साथ मधुर और शालीन व्यवहार बनाए रखें, किसी भी प्रकार की अभद्रता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसपी ने कहा कि चुनाव के दौरान मतदान केंद्रों के अंदर मोबाइल फोन या अन्य प्रतिबंधित वस्तुएं ले जाना पूरी तरह वर्जित रहेगा। पुलिस कर्मी पीठासीन अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें।

सोशल मीडिया व शराब की बिक्री पर पाबंदी

एसपी ने कहा कि जिले में 8 मई शाम 6 बजे से 10 मई को मतदान समाप्ति तक सभी शराब की दुकानें, बार, पब और होटल पर पाबंदी लगाई गई है। यह आदेश मतगणना के दिन 13 मई को भी प्रभावी रहेगा। जिले की सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल भी सक्रिय है। भ्रामक सूचना फैलाने वालों या हुड़दंग करने वालों पर पुलिस की पैनी नजर है। एसपी ने सभी थाना प्रबंधक व क्राइम यूनिटों को अवैध शराब, नकदी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने के सख्त निर्देश दिए हैं। एसपी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे बिना किसी डर भय के अपने मताधिकार का प्रयोग करें। यदि कोई भी व्यक्ति आपको डराने-धमकाने या प्रलोभन देने की कोशिश करता है, तो तुरंत इसकी सूचना अपने नजदीकी पुलिस अधिकारी या कंट्रोल रूम को दें।

27 पेट्रोलिंग पार्टियां करेंगी निरंतर गश्त

एसपी मीणा ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए जिले में करीब 1100 पुलिसकर्मियों और होमगार्ड्स की तैनाती की गई है। 27 पेट्रोलिंग पार्टियां निरंतर गश्त करेंगी। जिले में 20 लोकेशन पर स्थित 47 बूथों को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। जहां सामान्य से अधिक पुलिस बल तैनात रहेगा और पुलिस की एक अतिरिक्त कंपनी को रिजर्व में रखा गया है।

इंटर्नशिप विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, कौशल और समग्र विकास में भूमिका निभाती

- आईजीयू में विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप पर व्याख्यान का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में एमए द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के महत्व, कार्यप्रणाली एवं भविष्य में इसके लाभों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता समाज कार्य विभाग से डा. सतेंद्र कुमार थे। व्याख्यान का संयोजन अर्थशास्त्र विभाग से डा. रितु की ओर से विभागाध्यक्ष प्रो. सतीश कुमार के मार्गदर्शन एवं समन्वय में किया गया। कार्यक्रम आईक्यूएसी निदेशक प्रो. विकास बत्रा की प्रेरणा से आयोजित किया गया। इस मौके पर डा. सतेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों को इंटर्नशिप कार्यक्रम की कार्यप्रणाली, उसमें किए जाने वाले कार्यों तथा भविष्य में इसके महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इंटर्नशिप विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, कौशल विकास तथा समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साथ ही यह विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान कर उनके भविष्य को सशक्त बनाती है। इस अवसर पर समाज कार्य विभागाध्यक्ष डा. देवेंद्र सिंह, बीएचएमसीटी विभाग से डा. नवनीत, समाज कार्य विभाग के सतीश कुमार एवं मनीषा सहित द्वितीय सेमेस्टर के अर्थशास्त्र विभाग के विद्यार्थी उपस्थित थे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

मातृ दिवस विशेष

मां की ममता, उसके प्रेम, उसके समर्पण और उसके त्याग की कोई सीमा नहीं होती है। हर हाल में अपनी संतान का हित, उसके सुख और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की महानता का कितना भी बखान किया जाए कम ही होगा। आइए आज मातृ दिवस के अवसर पर हम सब संकल्प करें कि अपनी मां को हमेशा खुश रखेंगे, उनकी हर इच्छा को पूरा करने का प्रयास करेंगे।

आवरण कथा / सरस्वती रमेश

मां त्याग-प्रेम की मूरत है सबसे अनमोल

प्रकृति की हर कृति अपने आप में अनूठी और अनमोल है। लेकिन मां की बात ही कुछ अलग है। मां को प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ कृति कहें तो अतिशयोक्ति न होगी। मां की ममता के समक्ष दुनिया के सारे ऐशो-आराम, स्वर्गीय सुख, चमक-दमक फीके हैं। मां के स्नेह में, ममता में जो सुख, तृप्ति और सुकून होता है, उसे दुनिया की कोई शय नहीं दे सकती। इसीलिए उस शख्स को दुनिया में सबसे खुशनसीब माना जाता है, जिसके सिर पर मां की ममता का साया होता है। सच कहें तो मां की उपस्थिति, स्वर्ग से भी अधिक आलौकिक अनुभूति देती है। मां की इस दिव्यता को, विशेषता को मुनव्वर राणा ने अपने एक शेर में यूं समेटा है-

चलती-फिरती हुई आंखों से अज़ां देखी है
मैंने जन्नत तो नहीं देखी है, मां देखी है।

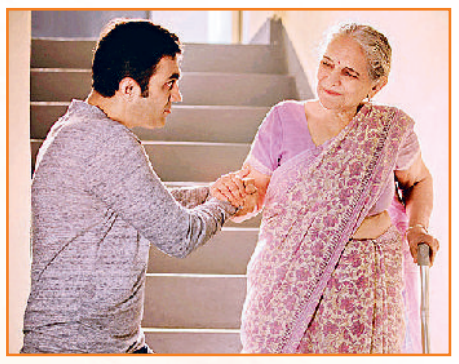

भावनाओं का दरिया है मां: हर मां के हृदय में भावनाओं का दरिया उमड़ता रहता है। यही भावनाएं मां और उसकी संतान के मध्य अनिर्वचनीय रिश्ता कायम करती हैं। एक ऐसा रिश्ता, जिसमें संसार के सभी रिश्तों की तासीर को महसूस किया जा सकता है। एक मां की उसके संतान के प्रति जैसी तड़प, प्रेम, चिंता, समर्पण और त्याग की भावना होती है, ऐसी भावना किसी और रिश्ते-नाते में नहीं देखी जा सकती है। मां अपने बच्चे की सिर्फ जन्मदात्री नहीं होती। वह उसकी प्रथम गुरु, संरक्षक, दोस्त, पालनकर्ता और मार्गदर्शक भी होती है। एक बच्चे को अपनी मां से वह सब कुछ मिलता है, जिसकी उसे वर्तमान में जरूरत है और भविष्य में जरूरत पड़ने की संभावना होती है। वैसे तो बच्चे के इर्द-गिर्द ढेर सारे संबंधों की कतार होती है। लेकिन अपनी मां से उसे जो प्राप्त होता है, उसकी भरपाई दुनिया का कोई भी रिश्ता नहीं कर सकता। नेल्सन मंडेला के शब्दों में कहें तो, 'मां का प्यार सबसे ऊंचा, अशेष और अनपेक्षित होता है।'

रुई के फाहे सा स्नेह: मां का प्यार, उसका स्नेह रुई के फाहे जैसा मुलायम और निर्दोष होता है। वह बच्चे की जरा-सी चोट पर विह्वल होने लगता है। बच्चे को जरा सी भी तकलीफ हो तो मां का मन विचलित होने लगता है। उसका प्यार देखना हो तो उसकी चिंताओं को गौर से देखिए। बच्चे की हर पल की जरूरतों के लिए मां किस हद तक फिक्रमंद होती है। उसकी दिनचर्या का निर्धारण बच्चे की जरूरतों के हिसाब से तय होता है। यहां तक कि उसके सोने-जागने का भी। एक लड़कोरी (नवजात की मां) की नींद कभी पूरी नहीं हो पाती। वो टुकड़ों-टुकड़ों में सोती हैं। बच्चे की रोने की एक आवाज पर अपने खाने की थाली सरका कर उसे पहले दूध पिलाती है। बीमार बच्चे की देख-रेख करने में तो मां अपनी भूख, प्यास, नींद तक बिसरा देती है।

कामयाबी के पीछे मां की भूमिका: किसी इंसान की कामयाबी में उसकी मां की भी भूमिका होती है। ज्यादातर सफल और महान लोगों की कामयाबी के पीछे उनकी मांओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दुनिया में ऐसे बेशुमार उदाहरण हैं। अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने संस्मरण में अपनी मां की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में लिखा है, 'मेरी मां ने मुझे शिक्षित करने और मेरे भीतर आत्मविश्वास भरने के लिए, बहुत मेहनत की। दिन में वह काम पर जाती थीं, इसलिए भोर में चार बजे उठाकर मुझे पढ़ाती थीं। हमारी जिंदगी के तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद, मेरी मां ने मुझे हर पल खास महसूस कराया।' ऐसा ही एक और उदाहरण महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन के जीवन में भी देखा जा सकता है। उनके महान आविष्कार को सारी दुनिया जानती है। मगर बहुत कम लोगों को पता होगा कि जब वह छोटे थे, तो आम बच्चों की तरह समझदार नहीं थे। उनके अध्यापक उन्हें हमेशा मंदबुद्धि कहते थे। जब उनकी मां, नैंसी को यह बात पता लगी तो वो उन्हें स्कूल से निकाल लाईं और घर पर ही पढ़ाने लगीं। कई साल बाद एडिसन ने अपनी डायरी में लिखा, 'मेरी मां ने ही मुझे बनाया। वह बहुत सच्ची थीं। मुझ पर अथाह भरोसा करती थीं। उनके स्नेह को पाकर मुझे लगा कि मेरे पास भी जीने की कोई वजह है। उन्हें मैं निराश नहीं कर सकता था।'

एक मंदबुद्धि बच्चा एक मां के संकल्प, हौसले और स्नेह की बदौलत उस सदी का जीनियस बन गया। उस मां ने अपने मंदबुद्धि बेटे से घृणा नहीं की। उससे प्रेम किया और उस पर विश्वास किया। मां के स्नेह और विश्वास में चमत्कारिक शक्ति होती है, जो संतान के जीवन को संवार देती है। कामयाबी की ऐसी लाखों कहानियां हैं, जिनके पीछे एक मां का यही विश्वास और अथाह प्रेम है।

मां कभी नहीं बदलती: दुनिया पल-पल बदलती रहती है, लेकिन मां जैसी सदियों पहले हुआ करती थीं, अब भी वैसी ही होती हैं। यानी सदियां गुजर गईं लेकिन अपनी संतान के प्रति मां का प्यार, लगाव और समर्पण बरकरार है। अपने बच्चों को सीने से लगाने वाली, आंचल में सहेजने वाली, उनकी सुरक्षा के लिए ढाल बन जाने वाली और उनकी हर गलती को क्षमा कर देने वाली मां की ममता का मोल नहीं है। लेकिन दुःखद है कि आधुनिकता, स्वार्थी सोच के प्रभाव में कई संतानों का व्यवहार अपनी मां प्रति बदल जाता है।

सोचने वाली बात है कि आखिर जब सदियों में मांओं का अपनी संतान से जुड़ाव नहीं बदला तो संतानों का व्यवहार मां के प्रति क्यों बदल गया? ऐसा क्या हो गया कि सभ्यता के विकास ने हमें ऐसी तहजीब सिखाई, जिसने मां का सम्मान करना भुला दिया? दरअसल, सच यह है कि विकास की चकाचौंध में हम निहायत आत्मकेंद्रित और स्वार्थी होते गए हैं। हम मां की ममता जैसे अमूल्य भाव का सम्मान करना भी भूल गए।

मदर्स-डे की महत्ता: संतोष की बात है कि हमारी इस गलती का एहसास कराने के लिए, जीवन में अपनी मां की महत्ता को याद दिलाने के लिए वर्ष में एक दिन मुकर्रर किया गया है। जिसे हम मदर्स-डे के नाम से मनाते हैं। हालांकि मां अपने बच्चों से हर दिन प्रेम, सम्मान व आत्मीयता की हकदार है। बुढ़ापे में जब उसकी हड्डियां कमजोर पड़ जाती हैं, नजर धुंधली हो जाती है और हाथ कांपने लगते हैं, तब उसे अपने बच्चों का साथ व सहारे की जरूरत होती है। ऐसे में मदर्स-डे हमें 'मां' की उस अमूल्य ममता की याद दिलाता हैं। तो आज मदर्स-डे मनाते हुए हम जरूर संकल्प करें कि हम मां को भरपूर प्यार सम्मान न केवल आज, हर दिन देंगे। उसके चेहरे पर मुस्कान लाने का हर संभव प्रयास करेंगे। ❋

अनुभूति / डॉ. ऋतु सारस्वत

मां के नाम बेटे की पाती

मां अपने बच्चों को केवल पालती-पोसती ही नहीं, बहुत सरल-सहज तरीके से उसके भीतर संस्कारों के बीज भी रोप देती है। इसका एहसास कई बार वर्षों बाद बच्चे को होता है। अपनी मां के प्रति एक बेटा ऐसी ही भावानुभूतियां पत्र के जरिए यहां व्यक्त कर रहा है।

मेरी प्यारी मां

जीवन में पहली बार आपको कुछ लिखकर भेज रहा हूं। सच कहूं तो समझ में नहीं आ रहा कि कहां से शुरुआत करूं? न जाने कितनी बार लिखा और मिटाया है, हर बार लगता है कि मेरे पास कहने के लिए हजारों शब्द हैं, पर उन्हें एक-दूसरे से जोड़ ही नहीं पा रहा। पता है मां, आज मैं बाजार गया था। पढ़ते-पढ़ते थक गया था, सोचा यूं ही थोड़ा घूम लूं। तभी मेरी नजर एक दुकान में रखे बिंदी के छोटे से पैकेट पर पड़ी और मैंने बिना कुछ सोचे ढेर सारी बिंदियां खरीद लीं। जैसे ही उन्हें हाथों में लिया, यूं महसूस हुआ जैसे आपके ममतामयी हाथ मुझे स्पर्श कर रहे हों। आपकी मुस्कुराहट मेरी आंखों के सामने घूमने लगी और मन किया कि दौड़कर आऊं और आपको जोर से गले लगा लूं। मां, आपकी बहुत याद आ रही है। मां, मुझे आज भी याद है, जब भी आप कहीं बाहर से लौटकर घर आती थीं, तो मैं दौड़कर आपकी गोद में चढ़ जाता था। सबसे पहले आपके माथे से आपकी बिंदी उतार देता था। आप हैरान होकर पूछती थीं- 'बेटा, ऐसा क्यों करते हो?' मैं मासूमियत से कह देता था- 'अगर आपके माथे पर बिंदी लगी रही, तो आप फिर से बाहर चली जाओगी' आप मुस्कुरा देती थीं। मैं आपके और करीब सिमट जाता था। पर मां, बिंदी की यह कहानी यहीं तक नहीं थी। एक दिन मैं बहुत गुस्से में स्कूल से घर लौटा था, क्योंकि मेरी गलती न होने पर भी मेरी टीचर ने मुझे बहुत डांटा था। गुस्से में मैंने कह दिया, 'मेरी टीचर बहुत गंदी है' आपने तुरंत मुझे रोका और समझाया कि बड़ों के लिए ऐसे शब्द नहीं बोलते। फिर आपने मुस्कुराकर कहा, 'और अगर शिकायत करनी भी है, तो कम से कम 'बिंदी' तो लगा लो' आपकी यह बात सुनकर मैं टकटकी लगाकर आपको देखने लगा और मासूमियत से पूछ बैठा, 'तो क्या मां, मुझे किसी की शिकायत करने के लिए खुद बिंदी लगानी होगी?' आप मेरी बात सुनकर हंस-हंसकर लोट-पोट हो गईं और फिर बोलीं, 'अरे बुद्धू, मैं तुम्हें बिंदी लगाने के लिए नहीं कह रही और तुम बिंदी लगाओगे भी कैसे, तुम तो अभी छोटे से बच्चे हो।' मैंने भी तुरंत कहा, 'मां, मैं छोटा तो हूं ही पर मैं तो लड़का हूं, मैं बिंदी कैसे लगा सकता हूं!' मेरी यह बात सुनकर आप फिर जोर-जोर से हंसने लगीं और मैं थोड़ा खिसियाकर बोला, 'मां, प्लीज बताओ ना' तब आपने बड़े प्यार से समझाया, 'देखो, 'है' के ऊपर जब बिंदी लगती है, तो वह 'हैं' बन जाता है, और बड़ों के लिए हमेशा हमें सम्मानजनक शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। 'वह आ रही है' हम अपने किसी दोस्त के लिए कह सकते हैं, लेकिन अगर किसी बड़े के लिए कहना हो, तो हमें कहना चाहिए 'वह आ रही हैं।' और ऐसे ही न जाने आपने मुझे कितने उदाहरण देकर समझाया।

मां, पता नहीं आपके शब्दों में क्या जादू था कि उसके बाद मैं कभी यह 'बिंदी' लगाना भूल ही नहीं पाया। मेरी हर बात में, हर संबोधन में अनजाने में ही वह सम्मान जुड़ता चला गया। आपकी यह 'बिंदी' सच में कमाल की है। मां, यह मुझे बहुत बार बिल्कुल अजनबियों के भी करीब ले आती है। हमारे कॉलेज के चौकीदार भैया हों या कमरे में सफाई करने वाली आंटी जब भी मैं उनसे आदर से बात करता हूं, उनके चेहरे पर जो मुस्कुराहट आती है, वह मेरे मन को एक अलग ही सुकून देती है। एक दिन आंटी ने कहा, 'भैया, आप बहुत अच्छे हैं' और उनके ये शब्द सुनकर मुझे ऐसा लगा जैसे तेज गर्मी में अचानक बारिश हो गई हो। मां, मैं बहुत दिनों से आपको यह बताना चाह रहा था कि आपकी यह 'बिंदी' सचमुच बहुत अच्छी है पर कभी मौका ही नहीं मिला। आज जब इस बिंदी के छोटे से पैकेट को हाथ में लिया, तो लगा जैसे किसी ने मेरे हाथ में कलम थमा दी हो और जो बातें इतने दिनों से मन में थीं, वे अपने आप शब्द बनकर बहने लगीं। मां, सच कहूं आपकी यह 'बिंदी' सिर्फ आपके माथे पर लगकर आपको सुंदर नहीं बनाती बल्कि यह मेरे जीवन का सबसे खूबसूरत संस्कार बन गई है, जो हर रोज मुझे एक बेहतर इंसान बनने की राह दिखाती है।

थैंक यू सो मच मां!

-आपका बेटा

गजल / डॉ. ओम निश्चल

मां का प्यार

तुम से लिपट कर सो जाऊं मां
तो दुनिया का सुख पाऊं मां।
गोद तुम्हारी ममता का गढ़
कैसे इसको झुठलाऊं मां।
पुलकित दृष्टि तुम्हारी देखूं
आंखों में ही खो जाऊं मां।
चुपके-चुपके जो गाती हो
उस रुनझुन पर बलि जाऊं मां।
मां का प्यार अलौकिक होता
किस-किस को यह बतलाऊं मां।
मुझे छुपा लो अब आंचल में
इसी सृष्टि में रम जाऊं मां।

एआई इमेज

लघुकथाएं

स्वाद मां के हाथों का

'मां के हाथ के गट्टे की सब्जी का जवाब ही नहीं!' मुंह में एक कौर डालते हुए शोभा के पति राकेश बोल पड़े।

'मैं कितना भी अच्छा खाना बना लूं, पर पता नहीं क्यों इनके मुंह से मेरी प्रशंसा के एक शब्द भी नहीं निकलते?' यह सोचकर शोभा के मन में कहीं ना कहीं अपनी सासू मां के प्रति ईर्ष्या के भाव बने रहते। उसकी सासू मां इन बातों से अनभिज्ञ आए दिन अपने बेटे के लिए नए-नए पकवान बनाती रहतीं। एक बार शोभा के पिताजी की तबियत ज्यादा खराब हो गई। आनन-फानन में वह मायके चली गई। अपने आठ वर्षीय बेटे को भी साथ नहीं ले जा पाई, क्योंकि उसके एग्जाम चल रहे थे। करीब दस दिन वह अपने मायके में रही। पिताजी की तबियत में सुधार होते ही वह अपने घर लौट आई। जैसे ही वह घर आई, उसका बेटा उससे लिपट गया और बड़ी ही मासूमियत से बोला, 'मम्मा आप इतने दिनों के लिए क्यों चली गई थीं? मुझे दादी के हाथ का खाना बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता था।' 'वो क्या है न बहू, बच्चों को अपने मां का हाथ का खाना ही अच्छा लगता है, क्योंकि बच्चा शुरू से ही अपनी मां के हाथ का खाना ज्यादा खाता है। इसलिए उसके मुंह में वहीं स्वाद चढ़ जाता है। इसके अलावा मां का स्नेह और अपनापन भी तो उस खाने में शामिल होता है।' उसकी सासू मां ने सहज स्वर में कहा। 'इतनी छोटी-सी बात वह कैसे नहीं समझ पाई और बेवजह मां-बेटे से हमेशा चिढ़ती रही।' शोभा मन ही मन में बोली। शोभा के पति उसकी भाव-भंगिमा देखकर उसके अंदर चल रहे भावों को भांप गए। इसलिए उसे देखकर मुस्कुराते हुए बोले, 'तुम भी बहुत अच्छा खाना बनाती हो, वो तो मैं तुम्हें चिढ़ाने के लिए तुम्हारे सामने मां की तारीफ करता रहता हूं।' 'अच्छा...जाइए मैं आपसे बात नहीं करूंगी।' कहकर वह गुस्से में अपने कमरे में चली गई। इस पर राकेश भी उसे मनाने के लिए उसके पीछे-पीछे कमरे में पहुंच गए। ❋

-शीला श्रीवास्तव

पैसे हैं पर मां नहीं

'साहब, मेरी पासबुक देखकर बताइए, क्या खाते में पैसे आए हैं?' बूढ़ी महिला ने गिड़गिड़ाते हुए बैंक क्लर्क प्रमोद से विनती की। 'मांजी, आप से कितनी बार कहा कि आपके खाते में बैलेंस ही नहीं है!' प्रमोद झुंझला कर बोला। 'साहब, मैं बहुत गरीब हूं। खाने-पीने के भी पैसे नहीं हैं। मेरा बेटा हर महीने मुझे तीन हजार रुपए भेजता है।' बूढ़ी औरत रोते हुए बोली। 'भेजता रहा होगा, लेकिन पिछले तीन महीनों से उसने एक भी रुपया नहीं भेजा है, माता जी। मैं आपको पैसे कहां से दे दूं?' प्रमोद झल्लाते हुए बोला। उसकी तेज आवाज सुनकर मैनेजर रूपांग मेहता ने अपने केबिन से बाहर आकर पूछा, 'क्या बात है प्रमोद, मांजी को क्या परेशानी है?' 'सर, ये मांजी रोज आकर बैलेंस चेक करने को कहती हैं। इनके खाते में पैसा ही नहीं है, मैं क्या करूं?' प्रमोद ने जवाब दिया। मेहता साहब ने बूढ़ी महिला की ओर देखा। लगभग सत्तर साल की उस महिला की फटी साड़ी, टूटा चश्मा और हाथ में लाठी, उनकी गरीबी को बयां कर रही थी। 'मांजी, आप रोज क्यों आती हैं?' मेहता साहब ने पूछा। वह बूढ़ी महिला बोली, 'मेरा नाम सविता है साहब। दस साल पहले मेरे पति की शराब पीने की वजह से मौत हो गई थी। मैंने चार घरों में काम करके अपने बेटे मयंक को पढ़ाया और उसे कंप्यूटर इंजीनियर बनाया। पिछले साल उसकी शादी हुई और अब वह बेंगलुरु में नौकरी करता है। वह हर महीने तीन हजार रुपए भेजता था, लेकिन तीन महीने से खाते में पैसे आ ही नहीं रहे है। लगता है शायद पैसे गलती से किसी और खाते में जा रहे होंगे। मेरे पास दवा और खाने के भी पैसे नहीं हैं। आंखों में भी मोतियाबिंद है, काम भी नहीं हो पाता।' यह कहते हुए सविता रो पड़ी। मेहता साहब का दिल भर आया। उन्होंने पूछा, 'क्या आप के पास बेटे का नंबर है?' सविता ने एक मुड़ा-तुड़ा कागज उनकी ओर बढ़ा दिया। मेहता साहब ने उस नंबर पर फोन लगाया। दूसरी ओर से फोन उठा तो वह बोले, 'हैलो, मयंक से बात करवा दीजिए।' दूसरी तरफ से किसी महिला ने पूछा, 'मैं उनकी पत्नी माया बोल रही हूं, मयंक बाहर गए हैं। आप कौन बोल रहे हैं?' 'मैं बिलासपुर से बैंक मैनेजर रूपांग मेहता बोल रहा हूं। आपकी सास यहां आई हुई हैं, मयंक ने तीन महीने से उन्हें पैसे नहीं भेजे क्या?' 'अरे सर, कब तक पैसे भेजते रहेंगे उनको? हमारी भी जरूरतें हैं। हम लोग सिंगापुर घूमने का प्लान बना रहे हैं।' माया ने बेरुखी से कहा। 'लेकिन मांजी के पास खाने और दवा के पैसे भी नहीं हैं!' मेहता साहब थोड़ा तल्खी से बोले। 'तो हम क्या करें? क्या हमने उनका ठेका ले रखा है? कहीं भी चली जाएं, किसी वृद्धाश्रम में क्यों नहीं चली जातीं?' इतना कहकर माया ने फोन काट दिया। यह सुनकर मेहता साहब स्तब्ध रह गए। कैसे बेटे-बहू हैं? उन्होंने माताजी से बिना कुछ कहे अपने खाते से तीन हजार रुपए निकाले और सविता को देते हुए कहा, 'लो मांजी, आपके बेटे ने पैसे भेज दिए हैं।' सविता की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे, 'भगवान आप का भला करे।' कह कर वह रो पड़ी। 'अब आप का बेटा हर महीने पैसे भेजेगा।' मेहता साहब बोले। सविता खुश होकर चली गई। उनके जाने के बाद प्रमोद ने आश्चर्य से पूछा, 'सर, आपने अपने पास से पैसे दे दिए?' मेहता साहब भावुक होकर बोले, 'मैं भी गरीब परिवार से हूं। मेरे पिता की मृत्यु के बाद मेरी मां ने मजदूरी करके मुझे पढ़ाया। मैं सोचता था कि जब पैसे कमाऊंगा तो मां के सारे सपने पूरे करूंगा। लेकिन सात साल पहले जब मेरी नौकरी लगी तभी मेरी मां चल बसीं। जब मां थी, तब पैसे नहीं थे और आज पैसे हैं, पर मां नहीं हैं। इसीलिए इस मां की बेबसी मुझसे देखी नहीं गई।' ❋

-वीरेंद्र बहादुर सिंह

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

ताकि बचा रहे आदमीपन

हाल में युवा कवयित्री रूपम मिश्र का दूसरा कविता संग्रह 'हंसी और देस' प्रकाशित होकर आया है। ये कविताएं हमारे समय, समाज और देश की तमाम स्याह-श्वेत छवियां उजागर करती हैं। देशज भाषा के रचाव और लोकजीवन के राग ने इन कविताओं के निहितार्थ को और भी प्रभावी बना दिया है। *'जीत के आसार न देखते हुए भी लड़ना/ लड़ाई की परंपरा को जिंदा रखना था।'* जैसी पंक्तियां उस सतत संघर्ष को प्रतिबिंबित करती हैं, जो आदमीपन को बचाए रखने के लिए जरूरी है। यहां स्त्री विमर्श की कोरी नारेबाजी नहीं, सदियों पुरानी उस कंडीशनिंग की पड़ताल की गई है, जिसने स्त्रियों के एक वर्ग को चेतनाशून्य बनाकर हर हाल में पुरुषों की सेविका बनने को बाध्य कर रखा है। *'जो मार खा लेती हैं फिर उठकर उन्हीं मर्दों के लिए सबसे अच्छा अचार/सबसे ज्यादा स्वाद वाली सब्जी बना देती हैं।'* प्रेम को भी रूपम, बनी-बनाई परिभाषा से इतर बिल्कुल अलग भावभूमि पर उतरकर महसूसती और व्यक्त करती हैं। इसकी बानगी *'हमने देखा एक-दूसरे को ऐसे जैसे/भूख की यातना में जिया मनुष्य रोटी को देखता हो।'* जैसी पंक्तियों में देखी जा सकती है। ❋

पुस्तक: हंसी और देस (कविता संग्रह), **लेखिका:** रूपम मिश्र,
मूल्य: 250 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती पेपरबैक्स, प्रयागराज

नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध खूबसूरत देश किर्गिस्तान

घूमना किसे अच्छा नही लगता! खासकर जब नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध देश में जाने का अवसर मिले। मध्य एशिया में स्थित किर्गिस्तान ऐसा ही एक छोटा सा और बेहद खूबसूरत देश है। हाल में एक सप्ताह की किर्गिस्तान यात्रा से लौटीं लेखिका वहां के अनुभव साझा कर रही हैं अपनी जुबानी।

ट्रैवलॉग

सोनल भारद्वाज

आमतौर पर कहा जाता है कि दुनिया में यदि कहीं स्वर्ग है तो वह देश है स्विटजरलैंड। वैसे हमारा कश्मीर भी कौन सा कम है! लेकिन किस्मत से हाल में हमें एक नए स्वर्ग से रूबरू होने का अवसर मिला, जिसे किर्गिस्तान के नाम से जाना जाता है। इसे मध्य एशिया का स्विटजरलैंड कहते हैं। इस देश का 90 प्रतिशत इलाका पहाड़ी है, जबकि मात्र 10 प्रतिशत आवासीय। 7.50 मिलियन आबादी वाला यह देश सोता कम है, जागता ज्यादा है क्योंकि यहां सूरज शाम 7.30 से 8 के बीच ढलता है।

साफ-सुथरा शहर राजधानी बिश्केक: जब हमारी फ्लाइट ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक के एयरपोर्ट में लैंड किया तो वहां का मौसम बड़ा खुशगवार दिखा। तापमान मात्र आठ डिग्री। बारिश ने हमारा वहां स्वागत किया। अकसर अप्रैल-मई के महीने में वहां बारिश होती है। हल्की ठंड और बारिश की वजह से अप्रैल के महीने में हमें जुलाई-अगस्त का अनुभव हुआ।

एयरपोर्ट से बाहर जिस टैक्सी पर हम बैठे, उसका चालक थोड़ी-बहुत इंग्लिश जानता था, तो हमारा काम आसान हो गया। वैसे वहां के लोग भारतीय फिल्म कलाकारों के बहुत दीवाने हैं। टैक्सी ड्राइवर न केवल थोड़ी-बहुत हिंदी भी बोल ले रहा था बल्कि उसकी टैक्सी में भारतीय फिल्मों के गाने भी बज रहे थे, जिसे हम भी गुनगुनाने लगे।

परिश्रमी-अनुशासित लोग: बिश्केक में घूमने के दौरान हमने महसूस किया कि किर्गिस्तान के नागरिक मेहनती, अनुशासित और स्वच्छता-पसंद हैं। वे ट्रैफिक नियमों का पूरा पालन करते हैं, यही वजह रही है कि हमने जहां एक तरफ गाड़ियों की कतारें देखीं लेकिन कोई हॉर्न बजाता नहीं सुना। व्यस्ततम सड़कों पर जहां एक तरफ गाड़ियों के काफिले थे तो उसी रोड पर बच्चों को बेहिचक साइकिलिंग करते भी देखा। 4 से 5 साल तक के बच्चे भी आराम से सड़कों पर साइकिल पर घूमते मस्ती करते हुए दिखे, क्योंकि सब ट्रैफिक रूल का पालन करते हैं। इसलिए वहां दुर्घटना की संभावना भी काफी कम रहती है। वहां पार्कों में बहुत शांति, धैर्य के साथ ज्यादातर महिला पुरुष अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ बैठे बात करते नजर आते हैं। सड़क के बीचों-बीच पार्कों में चहलकदमी करना इस देश के लोगों को खूब पसंद है। बिश्केक शहर साफ-सुथरा दिखता है, इसकी बड़ी वजह है यहां किसी को गंदगी फेंकते या थूकते हुए देखे जाने पर पांच हजार रुपए का जुर्माना लगता है। शहर में कई बाग-बगीचे हैं। स्थानीय नागरिक इनका उपयोग टहलने, मनोरंजन करने और जॉगिंग करने में करते हैं।

तियान शान पर्वतमाला में स्थित इसिक कूल झील

दुनिया की सबसे बड़ी प्राइवेट मेडिकल यूनिवर्सिटी: एयरपोर्ट से होटल पहुंचने तक राजधानी बिश्केक की खूबसूरती के हमने कई नजारे देखे। भारतीय दूतावास पर अपना राष्ट्र ध्वज तिरंगा लहराते देखना, हमारी यात्रा का सबसे गौरवशाली दृश्य था। गीत याद आ गया, 'ऐ देश मेरे, तेरी शान पे सदके...।' कुछ ही देर में हम होटल पहुंच गए। चेकइन करने, फ्रेश होने के बाद हम इंटरनेशनल हायर स्कूल ऑफ मेडिसिन संस्थान (आईएचएसएम) के परिसर की ओर निकल पड़े। बताते चलें कि हम किर्गिस्तान, शैक्षणिक भ्रमण पर गए थे। रूस और किर्गिस्तान, विश्वस्तरीय शिक्षा संस्थान के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। इन्हीं में से एक इंस्टीट्यूट है आईएचएसएम। संस्थान के प्रबंधन ने हमारा स्वागत किर्गिस्तानी रिवाज से किया। स्थानीय युवाओं ने हमें लोकल फोक म्यूजिक 'अलदशपा' सुनाया तो हम सब झूम उठे। हमारी टीम ने वहां पर अध्ययनरत भारतीय विद्यार्थियों से देर तक मुलाकात की। इस संस्थान में भारतीय छात्रों के अलावा, अमेरिका, रूस, जॉर्जिया, चीन, पाकिस्तान जैसे देशों से छात्र एमबीबीएस करने आते हैं, क्योंकि चिकित्सा शिक्षा यहां पर ज्यादा सस्ती और सरल है। आईएचएसएम, किर्गिस्तान में सन 2003 में स्थापित प्राइवेट इंस्टीट्यूट्स में सबसे बड़ा संस्थान है। यहां कैंपस का माहौल, खान-पान, भाषा और संस्कृति, पूरी तरह हिंदुस्तानी परिवेश जैसा लगता है।

इसिक कूल झील-तियान शान पर्वतमाला: आईएचएसएम देखने के बाद हम तियान शान पर्वतमाला के विशाल पहाड़, दुनिया की सबसे ऊंचाई वाले इलाके में स्थित इसिक कुल झील और मनमोहक घाटियां देखने, वहां की सांस्कृतिक विरासत को महसूस करने के लिए लालायित थे। ऊंची पर्वतमालाओं के बीच टेढ़े-मेढ़े रास्तों से गुजरते हुए लगभग 4.30 घंटे के सफर के बाद हम इसिक कूल झील पहुंच गए। किर्गिज भाषा में इसीक्कुल का अर्थ होता है 'गरम झील' जो उत्तर-पूर्वी किर्गिस्तान में, तियान शान पर्वतमाला के बीचों-बीच स्थित है। यह कैस्पियन सागर के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी खारे पानी की झील है। यह झील, गहराई के मामले में भी दुनिया में सातवें नंबर पर आती है। ऐतिहासिक प्रमाण बताते हैं कि झील की गहराई में 2,500 साल पुराने एक प्राचीन शहर के अवशेष मिले हैं, जो कभी सिल्क रूट (रेशम मार्ग) का एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र था। झील के अलावा यह क्षेत्र अपने क्रिस्टल-क्लियर पानी, बर्फ से ढंकी चोटियों, पैरासेलिंग व ट्यूबिंग जैसी रोमांचक गतिविधियों के लिए भी प्रसिद्ध है। हमने यहां काफी देर रुककर तियान शान और पामीर-अलाई पर्वतमालाओं के भी दर्शन किए। किर्गिज नागरिक प्रकृति से बेहद प्यार करते हैं इसलिए उन्होंने जंगल, पहाड़, नदियों को बचाए रखा है। यही नहीं स्थानीय नागरिकों के आवास भी हरियाली से सजे दिखाई देते हैं।*

भारतीय व्यंजनों का मिला आनंद

किर्गिस्तान का खान-पान पूरी तरह मांसाहार पर केंद्रित है, लेकिन राजधानी बिश्केक में 4 से 5 इंडियन रेस्टोरेंट भी हैं, जो भारतीयों द्वारा ही संचालित किए जा रहे हैं। यहां खाना बनाने वाले शेफ भी भारत से ही बुलाए गए हैं, ताकि भारतीय स्वाद यहां आने वाले छात्रों और अन्य लोगों को मिल सके। यहां पाकिस्तानी नागरिक भी काफी संख्या में हैं। किर्गिस्तान में ड्राय फ्रूट्स और फ्रूट्स बहुत अच्छी क्वालिटी के मिलते हैं, क्योंकि यहां की जमीन में लोग केमिकल उर्वरकों का इस्तेमाल नहीं करते हैं। किर्गिस्तान मूल रूप से मुस्लिम कंट्री है, लेकिन यह मुस्लिम देश होते हुए भी यह महसूस ही नहीं होने देता कि किसी एक परंपरा या धर्म से बंधा हो। किर्गिस्तान में महिला और पुरुष को समान दृष्टि से देखा जाता है, सभी को बराबरी का हक है। स्थानीय बाजारों में महिलाएं व्यापार करती खूब दिखाई देती हैं। अपनी यात्रा के अनुभव के आधार पर हम कह सकते हैं कि केवल नैसर्गिक सौंदर्य के मामले में ही नहीं महिला अधिकार और स्वतंत्रता के मामले में भी दुनिया के लिए किर्गिस्तान, आदर्श देश माना जा सकता है।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

नरेंद्र कुमार

वर्कप्लेस कोई भी हो एंप्लॉई की इंपॉर्टेंस उसके वर्किंग स्टाइल और उसके बिहेवियर से तय होती है। अगर आप भी चाहते हैं कि वर्कप्लेस पर आप सबसे इंपॉर्टेंट एंप्लॉई माने जाएं तो आपको यहां बताए जा रहे सजेशंस को फॉलो करना होगा।

फॉलो करें ऐसी वर्किंग स्टाइल ऑफिस में बढ़ाएं अपनी इंपॉर्टेंस

हर वर्किंग प्रोफेशनल की यह चाहत होती है कि ऑफिस में उसकी इमेज, उसकी वैल्यू दूसरों से अच्छी हो। इंपॉर्टेंट एंप्लॉइज में उसकी गिनती हो। इंपॉर्टेंट एंप्लॉई बनने के लिए खुद को ऐसा बनाएं कि आपके बिना काम स्मूदली न हो पाए या कोई भी जरूरी फैसला लेते समय आपको उसमें शामिल करना जरूरी हो जाए। याद रखिए, यह पोजीशन किसी को खुद ब खुद नहीं मिल जाती बल्कि इस स्थिति में पहुंचने के लिए स्मार्ट और समझदारी से काम करना होता है। इसके अलावा आपमें कुछ क्वालिटीज का होना भी जरूरी है।

रिप्लेसेबल से इरिप्लेसेबल बनिए: हर दफ्तर के दो तरह के एंप्लॉई होते हैं, एक जो केवल अपना काम करते रहते हैं। दूसरे ऐसे एंप्लॉई जिनके बिना ऑफिस के कई काम अटक जाते हैं, कोई बड़ा फैसला नहीं लिया जा सकता है। आपको यह दूसरा कर्मचारी बनना है ताकि आपकी गिनती ऑफिस के सबसे महत्वपूर्ण एंप्लॉइज में हो। ऐसा बनने के लिए आपको कुछ बातें अमल में लानी चाहिए। जैसे दफ्तर में आपका जो दायित्व है, उसके एक्सपर्ट बन जाएं। ऐसी स्किल में कमांड हासिल करें, जो ऑफिस में दूसरे लोगों के पास न हो। ।

प्रॉब्लम सॉल्वर बनिए: दफ्तर में अधिकतर लोग समस्या बताने में माहिर होते हैं। लेकिन इंपॉर्टेंट एंप्लॉई उसे माना जाता है, जो बॉस को प्रॉब्लम तो बताए, साथ ही यह भी कहे कि इस प्रॉब्लम को कैसे सॉल्व किया जा सकता है। हर बॉस को अपने अंडर ऐसे सहयोगी चाहिए होते हैं, जो केवल प्रॉब्लम्स के बारे में ही न बताए, पर उन गलतियों को हल करने की काबिलियत भी रखे। अगर आपको ऑफिस में इंपॉर्टेंट बनना है तो प्रॉब्लम सॉल्वर बनिए, न कि प्रॉब्लम रिपोर्टर।

जिम्मेदार बनिए: जो भी काम आपको मिले, उसे जिम्मेदारी से पूरा करें। उसे न करने या टालने के बहाने न बनाएं। तय समय सीमा के भीतर अगर काम नहीं होता, तो काम करने का भी कोई महत्व नहीं रह जाता है। इसलिए डेडलाइन के भीतर काम पूरा करने की आदत डालें।

काम दिखना भी चाहिए: यह सच है कि अगर आप दिखेंगे नहीं, तो आप महत्वपूर्ण भी नहीं माने जाएंगे। इसलिए काम करें और दफ्तर में महत्वपूर्ण समय पर मौजूद रहें। अपने किए हुए काम की अपडेट उन लोगों तक पहुंचाएं, जिनको आपके द्वारा किए गए काम से मतलब है। बॉस के साथ होने वाली मीटिंग में बोलें और अपनी बात को संक्षिप्त और स्पष्ट तरीके से सबके सामने रखें। वैल्यू और विजिबिलिटी मिलकर ही किसी एंप्लॉई को उसके वर्कप्लेस में महत्वपूर्ण बनाती है।

बॉस के 'गो टू पर्सन' बनिए: हर दफ्तर में एक या दो लोग ऐसे होते हैं, जिन पर बॉस आंख मूंदकर भरोसा करते हैं, क्योंकि जब-जब मौका मिला, उन्होंने खुद को इसके लायक सही साबित किया होता है। बॉस का 'गो टू पर्सन' बनना मुश्किल नहीं है, सिर्फ करना यह होता है कि बॉस द्वारा दिए गए काम को समय पर, साफ-सुथरे ढंग से और परफेक्ट तरीके से करें ताकि बॉस के काम को आप आसान बना सकें।

अपने संवाद कौशल को बढ़ाएं: अगर दफ्तर का महत्वपूर्ण कर्मचारी बनना है तो संवाद कला में माहिर होना भी जरूरी है। बात साफ और संक्षिप्त करें। अपने ई-मेल और मैसेज प्रोफेशनल रखें। लोगों को कोई बात समझानी हो तो इस तरह समझाएं कि उन्हें आसानी से आपकी बात समझ में आ जाए। अगर आपमें यह क्षमता है, तो आप निश्चित ही अपने वर्कप्लेस के महत्वपूर्ण एंप्लॉई हैं।

लोगों से कनेक्ट रहें: प्रोफेशनल लाइफ में भी पर्सनल कनेक्शन बनाना जरूरी होता है। जहां भी रहें, वहां हमेशा महत्वपूर्ण लोगों के साथ अपना एक कनेक्ट डेवलप करें। अगर किसी कंपनी के एक विभाग में काम कर रहे हैं, तो अन्य विभाग के कुलीग्स से भी कनेक्ट करें। ये कुछ ऐसे गुण हैं, जिनके होने पर आप अपने दफ्तर के महत्वपूर्ण कर्मचारी बन जाएंगे।*

आज के डिजिटल दौर में रिश्तों की दूरियां कम करने में तकनीक की बड़ी भूमिका हो गई है। तकनीक, मां और उनके दूर रह रहे बच्चों के बीच संवाद को भी नया आयाम दे रही है। इसके विविध पहलुओं पर एक नजर।

डिजिटल दौर में मिल रहा मां-बच्चे के रिश्ते को नया आयाम

टेक्नो-इंपैक्ट

नम्रता नदीम

एक समय था, जब मां की आवाज घर के आंगन से आती थी, रसोई से आती थी, दरवाजे के पार वाली देहरी से आती थी और चेहरे की झलक से ही सारे स्नेह की भाषा पढ़ ली जाती थी। आज बच्चे पढ़ाई के लिए, नौकरी या बेहतर अवसरों की तलाश में, घर से दूर दूसरे शहर या दूसरे देशों में भी रह रहे हैं। ऐसे में मांएं अपने बच्चों से आधुनिक संचार तकनीक के जरिए ही जुड़ी होती हैं। ऐसे ही तकनीकी साधनों में व्हाट्सएप, वीडियो कॉल और सोशल मीडिया के तमाम दूसरे माध्यम उपलब्ध हैं।

डिजिटल युग में रिश्तों का नया आयाम: आज तकनीक बदल गई है, जीवन जीने का ढंग बदल गया है। डिजिटल युग ने रिश्तों को एक नया आयाम दिया है और इसमें मां का उसके बच्चों के साथ रिश्ता भी शामिल है। वास्तव में सूचना तकनीक ने बच्चों और मां के रिश्तों में अभूतपूर्व बदलाव ला दिया है। आज बच्चे देश-विदेश में कहीं हों, जब उन्हें मां की याद आती है, झट वीडियो कॉल लगा देते हैं और सामने मां दिखने लगती है। मां को सामने देखते हुए बात करने पर लगता है कि जैसे कोई दूरी ही न हो। बच्चों को यह एहसास होता है कि जैसे मां उनके बिल्कुल करीब बैठी, उनसे बतिया रही है। उसके चेहरे की हर भाव-भंगिमा को पढ़ने की सुविधा भी नई तकनीक ने उपलब्ध करवा दी है। आज शहर के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में रहने वाली मांएं अपने बच्चों के साथ सहजता से स्मार्ट फोन चलाती हैं। अपने बच्चों को तरह-तरह के व्हाट्सएप मैसेज भेजती हैं। वीडियो कॉल करके उनके हालचाल पूछना, यह जानना कि खाना खाया कि नहीं, खाना खाया तो क्या खाया? और इस सबको सिर्फ सुनने में ही नहीं अपनी आंखों से भी देखने का सुख मांएं आधुनिक मीडिया तकनीक के जरिए ले रही हैं।

सुकून देता है यह बदलाव: आज के दौर की मांओं का अपने बच्चों के साथ डिजिटल रिश्ता बड़ा दिलचस्प हो गया है। वे इसके जरिए न सिर्फ बच्चों के साथ संपर्क में रहती हैं बल्कि आधुनिक जीवन की सारी जरूरी गतिविधियों को भी सीखती हैं या सीखने की कोशिश करती हैं। मैसेजिंग, इमोजी आदि अभिव्यक्ति के इन नए तरीकों से मांएं भी समृद्ध हो रही हैं और इनके बच्चे भी। जब मांएं और बच्चे एक-दूसरे से ऑडियो कॉल पर बात करते हैं, उस समय मां का 'मैं ठीक हूं' कहना और वीडियो कॉल पर 'हां, मैं ठीक हूं' कहने में फर्क होता ही नहीं दिखता भी है। वीडियो कॉल में साफ दिखता है कि मां वाकई ठीक है या नहीं। यह तकनीकी बदलाव सुकून देता है, क्योंकि भले मां और उसके बच्चे के बीच दूरी हो, लेकिन भावनाओं का जुड़ाव इस दूरी के बाद भी डिजिटल तकनीक के जरिए बना रहता है।

ऐसे में बच्चों का भी फर्ज बनता है कि जब वे मां से बात करें तो सिर्फ उसमें शब्द ही न हों या सिर्फ संदेश ही न भेजे जाएं बल्कि मां से बात करने के जरिए अपनी उपस्थिति को भी व्यक्त करें। उन्हें बिना किसी कारण और बिना किसी अनुमान के फोन करें और देर तक बातें करें। इससे मां को बहुत खुशी मिलेगी।

मेल-मिलाप भी है जरूरी: अगर मां आधुनिक डिजिटल तकनीक से पूरी तरह अनभिज्ञ हो, तो कई बार उनके लिए यह बदलाव जटिल हो जाता है। उन्हें व्हाट्सएप्प यूज करना या वीडियो कॉल करना उलझन भरा लग सकता है। इन तकनीकों का उपयोग आज भले ही आम हो गया है, लेकिन मां की भावनाएं अब भी पारंपरिक हैं। देखा जाए तो तकनीक ने संवाद को चाहे जितना आसान बनाया हो, लेकिन संवाद की गइराई को कम कर दिया है। मांएं अपने बच्चों के साथ गहरा भावनात्मक जुड़ाव चाहती हैं। मां-बच्चे का भले ही लगातार फोन से संपर्क बना रहे। इस फोन से रिश्तों का कारवां भले ठीकठाक चलता दिखे, लेकिन मां-बच्चे के इस रिश्ते में वास्तविक मेल-मिलाप बहुत जरूरी होती है। तकनीक चाहे जितनी जीवंत लगे, मां के साथ साल में कुछ दिन जरूर गुजारें। इससे इस डिजिटल दौर में मां और आपके बीच रिश्तों की ऊर्जा जीवंत बनी रहेगी। यानी तकनीक का उपयोग करने पर भौतिक संपर्क की महत्ता को अनावश्यक मानना गलत है। इसलिए जब आप वास्तव में अपनी जॉब या पढ़ाई की वजह से दूर हों तब तो तकनीक का यूज ठीक है लेकिन मौका मिलने पर मां से जरूर मिलें।*

तकनीक से मिलता है मां को सुकून

- विभिन्न सर्वेक्षणों के दौरान यह देखा गया है कि 99 फीसदी मांएं घर से बाहर रह रहे अपने बच्चों से हर दिन बातें करती हैं। इनमें से करीब आधी तो हर दिन एक बार वीडियो कॉल भी करती हैं।
- जब मांएं डिजिटल तकनीक के जरिए बच्चों से वीडियो कॉल के जरिए बात करती हैं, तो वह सिर्फ उनका चेहरा भर नहीं देखतीं, उनकी खुशी, उनका दुःख, उनकी सेहत सब कुछ वो देख लेती हैं, इससे उन्हें सुकून और तसल्ली मिलती है।

मातृ दिवस विशेष

सिने ट्रेंड

हर्ष

हिंदी फिल्मों और फिल्मी गीतों में मां के महत्व को खूबसूरती और प्रमुखता से उभारा जाता रहा है। खासतौर पर फिल्मों में मां पर केंद्रित कई ऐसे हृदयस्पर्शी गीत रचे गए हैं, जो सीधे दिल में उतरते हैं। मां पर केंद्रित दिल को छू लेने वाले ऐसे ही कुछ फिल्मी गीतों पर एक नजर।

मां को समर्पित गीतों से गुलजार है बॉलीवुड

मां और बच्चे का संबंध बीज और वृक्ष के संबंध जैसा गहरा, विस्तृत और अविवेचनीय होता है। इसलिए मां और बच्चे के बीच अनोखे रिश्ते को शब्दों में व्यक्त कर पाना आसान नहीं है। फिर भी बॉलीवुड फिल्मों में अनेक गीतकारों ने समय-समय पर इस अनोखे प्यारे रिश्ते को अपने भावपूर्ण गीतों में व्यक्त किया है।

तुझे सब है पता, है न मां: प्रसून जोशी का लिखा और शंकर महादेवन का गाया गाना *'तुझे सब है पता, है न मां..'* फिल्म 'तारे जमीन पर' का है। यह गीत हर किसी के दिल को छूता है। जैसे यह गीत न हो हर बच्चे के दिल से निकली आवाज हो। हम सब ऐसे ही तो होते हैं बचपन में, जो बात अपनी मां से किसी कारणवश नहीं कह पाते उस बात को भी हमारी मां जान लेती है। भूख लगने पर हमें क्या खाना है, यह हमसे बेहतर हमारी मां को पता होता है। हमारी खुशी-गम, डर-चिंता, पसंद-नापसंद सब से वाकिफ होती है हमारी मां। *'मैं तुझे बतलाता नहीं, पर अंधेरे से डरता हूं मैं मां/तुझे सब है पता, है न मां'* एक बच्चे की मासूम पुकार है यह गीत, जो हर मां की रूह तक पहुंचता है।

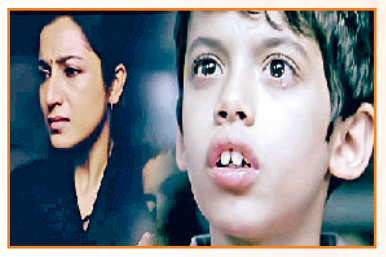

फिल्म 'तारे जमीं पर'

फिल्म 'रंग दे बसंती'

तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है: 'राजा और रंक' फिल्म का यह गीत *'तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है..'* अभिनेत्री निरूपा राय और बाल कलाकार महेश कोठारे पर फिल्माया गया है। लता मंगेशकर की मनमोहक आवाज ने गाने के बोल में मां के लिए प्रयोग किए गए प्रतीकों और शब्दों को और भी मुलायम और हृदयस्पर्शी बना दिया है। मां असल में क्या होती है, उसकी विशाल हृदयता और उसकी ममता की उदात्तता को इस छोटे से गीत में समेट कर गागर में सागर भर दिया गया है। आनंद बख्शी के लिखे इस गीत को संगीतबद्ध किया है संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने।

फिल्म 'राजा और रंक'

तेरी उंगली पकड़ के चला, ममता के आंचल में पला: 'लाडला' फिल्म का गीत *'तेरी उंगली पकड़ के चला, ममता के आंचल में पला..'* एक बेटे की भावुक स्वीकारोक्ति है। वह स्वीकार करता है कि जीवन पथ पर उसकी मां ने उसे चलना सिखाया। जीवन के इस सफर में मिलने वाली धूप से बचाने के लिए हर वक्त मां ने उसे अपनी ममता की छांव तले सहेज कर रखा। मां के बिना उसका जीवन कुछ भी नहीं। मां और उसके बेटे के बीच मधुर रिश्ते की चाशनी में

फिल्म 'लाडला'

छनकर निकला यह गीत जितना अर्थपूर्ण है उतना सुरीला भी। यह गीत फरीदा जलाल और अनिल कपूर पर फिल्माया गया है। समीर के लिखे इस गीत को उदित नारायण और ज्योत्सना ने अपनी आवाज दी है।

लुका छुपी बहुत हुई, सामने आ जा ना: फिल्म 'रंग दे बसंती' में प्रसून जोशी का लिखा गीत, *'लुका छुपी बहुत हुई, सामने आ जा ना..'* बेटे की मौत पर एक मां की व्याकुलता और ममता को एक साथ जोड़ने का कमाल करता है। गीत में मां अपने बेटे से संवाद करते हुए कहती है, *'लुका छुपी बहुत हुई/सामने आ जा ना/कहां-कहां ढूंढा तुझे/थक गई है तेरी मां'*।

गीत के दृश्य में बेटे की चिता सामने जल रही है और मां इस सदमे से अपनी सुध-बुध खो बैठती है। उसके कलपते हृदय से बोल निकल रहे हैं- *'आजा सांझ हुई मुझे तेरी फिकर/धुंधला गई देख मेरी नजर आ जा ना।'* आंखों को नम कर देने वाले इस भाव पूर्ण गीत को गाया है स्वर सम्राज्ञी लता मंगेशकर और एआर रहमान ने।

मां जैसी दुनिया में है कोई कहां: गीतकार अंजान का लिखा और किशोर कुमार का गाया लोकप्रिय गीत *'मां जैसी दुनिया में है कोई कहां..'* फिल्म 'पांच कैदी' का है। इस गीत के जरिए यह भाव प्रकट किया गया है कि मां जैसा दुनिया में कोई नहीं हो सकता। इसीलिए मां को धरती पर साक्षात ईश्वर का स्वरूप माना जाता है। इसीलिए तो मां का स्थान सबसे ऊपर माना जाता है। इन सभी भावों को इस गीत की आगे की पंक्तियों में बड़ी ही खूबसूरती से पिरोया गया है, *'मां तो है मां/मां तो है मां/मां जैसी दुनिया में है कोई कहां/ओ मां ओ मां//मां तू ही मंदिर/मां तू ही पूजा/पूजा का वरदान मां/ये लोक तू है/परलोक तू है/तुझमें है दोनों जहां।'*

फिल्म ' पांच कैदी'

ऐ मां, तेरी सूरत से अलग भगवान की सूरत क्या होगी: मां को भगवान के समतुल्य मानने वाले भावों को वर्ष 1966 में प्रदर्शित हुई फिल्म 'दादी मां' के एक गीत में भी व्यक्त किया गया है। उस गीत के बोल हैं *'ऐ मां, तेरी सूरत से अलग भगवान की सूरत क्या होगी। उसको नहीं देखा हमने कभी पर इसकी जरूरत क्या होगी..'* मजरूह सुल्तानपुरी के इस भावपूर्ण गीत को संगीत से संवारा था रोशन ने और अपनी आवाज दी थी, महेंद्र कपूर और मन्नाडे ने।*